यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

पेज 08

जर्जर गाजियाबाद मोदीनगर मार्ग के निर्माण को लेकर केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद राजकुमार सांगवान

वर्ष : 31 अंक : 306 सोमवार RNI No. 62592/95 9 से 15 दिसंबर -2024, मोदीनगर (गाजियाबाद) पृष्ठः 8 मूल्य : ₹3 email: u.p.observer@gmail.com

सबको जोड़ने की ताकत रखती है भारतीयता और सनातन: सीएम योगी

स्वर्वेद महामंदिर धाम, वाराणसी में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

- देश के नाम होना चाहिए हर काम : मुख्यमंत्री
- सद्गुरु की परंपरा का आज भी हो रहा निर्वहन : योगी
- हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता सच्चा योगी व संत : मुख्यमंत्री
- काशी के साथ पीएम मोदी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा पूरा यूपी : सीएम

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी जी कहते हैं कि हर काम देश के नाम होना चाहिए। देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं, इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का भी आयोजन किया गया है। लाखों लोगों के होने के बावजूद यहां की सुचारू व्यवस्था की सीएम योगी ने तारीफ की।

1924 में सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने की थी विहंगम योग संत समाज की स्थापना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है, तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य-भव्य मंदिर बनाकर कोटि-कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन-जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है।

हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता सच्चा योगी व संत

सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने आध्यात्मिक अभियान को आगे बढ़ाया और यह भी बताया कि सच्चा योगी-संत देश व समाज की परिस्थितियों को देखकर हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता। देश जब गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था, तब सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए आजादी के आंदोलन में भाग लेकर बैरकपुर से देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर के शंखनाद के साथ खुद को जोड़ा था। आप सब भी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के साथ राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित महत्वपूर्ण कड़ी से खुद को जोड़ रहे हैं।

सद्गुरु की परंपरा का आज भी हो रहा निर्वहन

सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने उत्तराखंड ने स्वर्वेद रचा। उनकी अद्भुत परंपरा का निर्वहन आज भी हो रहा है। विज्ञान देव जी महाराज एक वर्ष से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा पर थे। आचार्य जी भी विदेश में भक्तों को जगाने के लिए आध्यात्मिक यात्रा पर निकले थे। यह संदेश देता है कि चुपचाप नहीं बैठना है, बल्कि एक कार्य पूरा हुआ तो अगले कार्य की शुरूआत करनी है और हर काम देश-सनातन धर्म के नाम है। आज हम जिस कार्यक्रम के साथ जुड़ रहे हैं, यह उसी विरासत का सम्मान है, जिसे 100 वर्ष पहले सद्गुरु सदाफल देव महराज ने प्रारंभ किया था। आचार्य स्वतंत्र देव जी महाराज, संत प्रवर विज्ञान देव महाराज उसी परंपरा का अनुसरण करते हुए उसे आगे बढ़ाते हुए जनजागरण के वृहद अभियान से जुड़ रहे हैं।

पहले की तुलना में 2014 के बाद से 100 गुना बेहतर हुई काशी की कनेक्टिविटी

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को 10 वर्ष में चमका दिया है। अब काशी विश्वनाथ धाम, दुनिया का सबसे बड़ा स्नान घाट (नमो घाट) है। यहां हैलीपेड भी है। यहां बड़े-बड़े कार्यक्रम हो सकते हैं। काशी के घाट अब नए भव्य स्वरूप में देखने को मिलते हैं।

देव मंदिरों का कायाकल्प हुआ है। पहले की स्थिति के मुकाबले 2014 के बाद से सड़क, रेल, वायुसेवा की कनेक्टिविटी 100 गुना बेहतर हुई है। अब काशी से हल्दिया के बीच में जलमार्ग का उपयोग कर यात्रा को बढ़ा सकते हैं। यह क्षेत्र भी अब तीर्थ के रूप में विकसित हो गया है। स्वास्थ्य हो या शिक्षा, विकास के विभिन्न पक्षों को लेकर काशी आज चमक रही है और काशी के साथ पूरा यूपी पीएम मोदी के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है। अब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के दर्शन हो रहे हैं, जहां विकास भी है और विरासत का सम्मान भी।

पीएम मोदी ने भी की थी विहंगम योग संत समाज व ट्रस्ट के कार्यों की सराहना

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसंबर 2023 को इस समारोह का शुभारंभ किया था। शताब्दी महोत्सव के अवसर पर उन्होंने स्वर्वेद महामंदिर का भव्य उद्घाटन भी करते हुए विहंगम योग संत समाज व स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की थी। 2021 में भी पीएम मोदी के सानिध्य में इस पूरे कार्यक्रम में हमें सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हुआ था। इस दौरान आचार्य स्वतंत्र देव जी महाराज, स्वतंत्र प्रवर विज्ञान देव जी महाराज, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर आदि मौजूद रहे।

अच्छा नेतृत्व मिलता है तो परिणाम सुखद आते हैं

सीएम योगी ने कहा कि अच्छा नेतृत्व मिलता है तो सुखद परिणाम आते हैं। आज विरासत का सम्मान भी है तो विकास के माध्यम से लोककल्याण का बड़ा अभियान भी। योग की परंपरा को वैश्विक मंच पर ले जाने का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। दुनिया के 175 से अधिक देशों के अंदर लोग योग के साथ जुड़े हैं। जब भी योग की चर्चा होगी, भारत के ऋषियों के प्रति श्रद्धा का भाव दुनिया के नागरिकों के मन में जुड़ेगा। पीएम मोदी ने 21 जून की तिथि को विश्व योग दिवस के रूप में कर दिया। प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ प्रारंभ होने वाला है। पीएम मोदी ने इसे भी मान्यता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिला दी। मोदी जी के मार्गदर्शन में 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला अपने दिव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं।

बीएसएफ स्थापना दिवस समारोह में अमित शाह की घोषणा

सीमाओं पर ड्रोन निरोधी यूनिट स्थापित करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के जोधपुर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 60वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में भाग लिया। इस दौरान शाह ने परेड की समीक्षा की, सलामी ली और वीरता पुरस्कार विजेताओं को पदक और कुछ अन्य अलंकरण प्रदान किए। जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि मोदी सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा को और भी सशक्त बनाने के लिए जल्द ही सीमाओं पर ड्रोन निरोधी यूनिट स्थापित करेगी।

शाह ने कहा, 'आने वाले दिनों में ड्रोन का खतरा और भी गंभीर होने वाला है। हम इससे निपटने के लिए पूरे भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए रक्षा तथा अनुसंधान संगठनों और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम आने वाले समय में देश के लिए एक बृहद् ड्रोन रोधी इकाई बनाने जा रहे हैं।'

बता दें कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान से सटी भारत की सीमा पर इस वर्ष 260 से अधिक ड्रोन गिराए गए या बरामद किए गए हैं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 110 ड्रोन का था। हथियार तथा मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए गए ड्रोन सबसे अधिक पंजाब और कुछ राजस्थान तथा जम्मू में मार गिए या बरामद गए।

गृह मंत्री ने कहा, 'साहस, शौर्य और बलिदान के बल पर बीएसएफ ने देश के 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस' को मजबूत बनाया है।' उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार ने संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली बनाई है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमा पर लागू किया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'हमें असम के धुबरी (भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा) में नदी सीमा पर स्थापित सीआईबीएमएस के प्रभावशाली परिणाम देखने को मिल रहे हैं लेकिन कुछ सुधार की जरूरत है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि उत्तरी सीमाओं पर बसी आबादी के विकास और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए मोदी सरकार के 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' को देश के सभी सीमावर्ती गांवों के लिए लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 48,000 करोड़ रुपये की निधि आवंटित करने के साथ सीमा सुरक्षा को बढ़ाना और इन दूरदराज के इलाकों में रहने वाली आबादी के लिए काम करना मोदी सरकार की 'सबसे बड़ी उपलब्धि' है। बीएसएफ की स्थापना 1 दिसंबर 1965 को की गई थी जिसमें फिलहाल 2.65 लाख जवान हैं। मुख्य रूप से इसका काम देश के आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,300 किलोमीटर से अधिक की भारतीय सीमा की सुरक्षा करना है।

स्वास्थ्य विभाग का अलर्ट; हो जाएं सावधान...पड़ने वाली है विकराल ठंड

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य विभाग ने सर्दी को लेकर अलर्ट जारी किया है। सभी अस्पतालों के अधीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखना का निर्देश दिया है। वार्ड में जरूरत के मुताबिक वार्मर लगवाने और खिड़की दरवाजे बंद रखने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने निर्देश जारी किया है कि अस्पतालों में सर्दी से बचाके के सभी इंतजाम रखें। उन्होंने दवा से लेकर वार्ड की व्यवस्था के बारे में निर्देश दिया है। बिजली उपकरणों और आईसीयू की निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। तीमारदारों के लिए रैन बसेरों का भी इंतजाम करने का निर्देश दिया है।

प्रमुख सचिव ने 70 साल से अधिक उम्र वाले वृद्ध जन का जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिया है। यह भी कहा है कि इसकी निगरानी की जाए। आयुष्मान कार्ड बनाने संबंधी गाइडलाइन भी भेजी है।

हवा में महसूस की गई सिहरन

उत्तर-पश्चिमी भारत की ओर बढ़ रहे एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से तराई व पूर्वी उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग हल्की बारिश के आसार हैं। इसके साथ ही दिन के पारे में दो डिग्री तक की गिरावट से ठंड में इजाफा होगा। इससे पहले शनिवार-रविवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में सुबह-शाम की हवा में सिहरन महसूस की गई। धूप की तपिश भी गायब दिखी।

यूपी को तीन और अमृत भारत की सौगात

दिल्ली... मुंबई से लेकर चंडीगढ़ तक का सफर होगा आसान

लखनऊ। रेलवे ने यूपी को तीन और अमृत भारत की सौगात दी है। जनरल व स्लीपर क्लास में यात्रा करने वालों की सुविधा के लिए रेलवे लखनऊ के रास्ते तीन और अमृत भारत एक्सप्रेस चलाएगा। चंडीगढ़ से वाराणसी, गोरखपुर से मुंबई और हावड़ा से दिल्ली वाया लखनऊ ट्रेनें चलेंगी।

अभी तीन रूटों पर अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन हो रहा है। इसमें लखनऊ के रास्ते आनंदविहार से दरभंगा के लिए एक अमृत भारत एक्सप्रेस है। अब रेलवे बोर्ड 26 और अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पटरी पर उतारने जा रहा है। अफसरों के मुताबिक इनमें से तीन लखनऊ के रास्ते चलेंगी। बिना एसी वाली अमृत भारत एक्सप्रेस आम यात्रियों के लिए डिजाइन की गई है। नई ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरे लगे रहेंगे। टॉक-बैक सिस्टम से यात्री आपात स्थिति में सीधे लोको पायलट व ट्रेन मैनेजर से संपर्क कर सकेंगे। वैक्यूम बायो टॉयलेट, आरामदायक सीटों की सुविधा मिलेगी। 22 बोगियों वाली अमृत भारत एक्सप्रेस में 1834 यात्री सफर कर सकेंगे। ये ट्रेनें 130 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी।

गाजियाबाद में बांग्लादेश विरोध की गूंज : हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर रोष

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रोष बढ़ रहा है। हिंदू संगठनों ने आज कविनगर रामलीला मैदान में आक्रोश सभा का आयोजन कर प्रचंड विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित हिंदू संगठनों बांग्लादेश के अंतरिम सरकार की शव यात्रा निकाली और चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई की मांग की। इस मौके पर समस्त हिंदू समाज सुरक्षा समिति की ओर से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि भारत सरकार बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा तथा जेल में ठूंसे गए बेगुनाहों की तत्काल रिहाई के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ठोस व प्रभावी कार्यवाही अमल में लाए।

बांग्लादेश के विरुद्ध ठोस कार्यवाही जरूरी

समिति की ओर से मांग की गई है कि बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को एकजुट करते हुए बांग्लादेश के विरुद्ध ठोस कार्यवाही करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सहायता पर रोक लगवाई जाए। आक्रोश सभा में उत्तर प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, पूर्व मेयर आशु वर्मा, वीके अग्रवाल, विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर बीके शर्मा हनुमान आदि की अगुवाई में हिंदू समाज ने रोष जाहिर किया। शव यात्रा के दौरान मोहम्मद युनुस मुदार्बाद, बांग्लादेश मुदार्बाद के नारों से कविनगर रामलीला मैदान गूंज उठा। आक्रोशित लोगों ने बांग्लादेश के शव को आग के हवाले कर जूते भी मारे।

युनूस सरकार को भारत की चिंताओं की परवाह नहीं

इस मौके पर बीके शर्मा ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों को जलाने और देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को नष्ट किए जाने के सिलसिले से यदि कुछ साबित हो रहा है तो यही कि वहां की सेना के साये में काम कर रही अंतरिम सरकार पर भारत की चिंताओं का कोई असर नहीं। भारत अगस्त से ही बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं को लेकर अपनी चिंता व्यक्त कर रहा है, लेकिन मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है, जैसे उसके देश में कहीं कुछ अप्रिय घटित ही न हो रहा हो।

दो टूक बात करे भारत सरकार

परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वीके अग्रवाल ने कहा कि भारत को बांग्लादेश से दो टूक कहना चाहिए कि बांग्लादेशी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की जान-माल पर खतरा उसका आंतरिक मामला नहीं हो सकता और इसलिए नहीं हो सकता, क्योंकि वे अविभाजित भारत के ही नागरिक हैं। यह लज्जा की बात है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार न तो अपने यहां के अल्पसंख्यकों पर हमले रोक पा रही है और न ही उन चरमपंथी और जिहादी तत्वों पर लगाम लगा पा रही है, जो भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी करने में लगे हुए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय चिंताओं से बेपरवाह है ढीठ सरकार

वीके अग्रवाल ने कहा कि यह बांग्लादेश सरकार की ढिठाई ही है कि वह हिंदुओं पर हमलों के मामले में अंतरराष्ट्रीय चिंताओं की भी परवाह नहीं कर रही है। यह ठीक नहीं कि भारत सरकार केवल इसकी कोशिश करे कि बांग्लादेश में प्रताड़ित हिंदू पलायन कर भारत न आने पाएं। इसके साथ ही उसे यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वे वहीं पर सुरक्षित बने रहें। भारत को बांग्लादेश पर कारगर दबाव बनाने के लिए सभी विकल्पों का इस्तेमाल करना चाहिए।

शहर के विकास को लेकर जारी है निगम का प्रयास, पार्षदों ने टैक्स वसूली को लेकर जताई चिंता, नगरायुक्त से की मुलाकात

टैक्स कलेक्शन शहर के विकास का आधारः नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक से पार्षदों द्वारा शहर के विकास को लेकर मुलाकात की गई, जिसमें टैक्स वसूली की कार्यवाही को बढ़ाने के लिए भी चर्चा की गई, टैक्स कलेक्शन को बढ़ाने के लिए सभी पार्षदों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र में कैंप लगाने तथा जन-जन को जागरूक करने के लिए अपने कदम आगे बढ़ाने को लेकर विषय रखा गया, पार्षद अजय शर्मा, पार्षद धीरेंद्र यादव, पार्षद जोगिंदर कुमार, पार्षद रामनिवास बंसल पार्षद मनोज पाल व अन्य द्वारा हाउस टैक्स वसूली को रफ्तार देने के लिए कार्य योजना अधिकारियों साथ बनाई।

नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित पार्षदों के साथ वार्ता करते हुए टैक्स कलेक्शन शहर के विकास का आधार है चर्चा की गई जिसमें आगामी स्थिति मजबूत हो टैक्स कलेक्शन को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय पार्षदों का सहयोग हेतु अपील की गई, पार्षदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में भी नगर आयुक्त से चर्चा की गई संबंधित सभी अधिकारियों को मौके पर स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पार्षद नरेश जाटव, पार्षद भारत गौतम, तथा वार्ड संख्या 45 से विजेंद्र चौहान वार्ड संख्या 83 से प्रवीण भाटी द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर नगर आयुक्त से संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की गई जिसमें पार्कों के साथ-साथ पेयजल समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा गया जिनमें से तत्काल कार्य होने वाले विषयों पर कार्यवाही कराई गई अन्य मांग को योजनाओं के माध्यम से जनहित में पूरा करने के लिए आश्वासन दिया गया इसके अलावा नगर आयुक्त द्वारा स्वास्थ्य विभाग तथा उद्यान विभाग टीम को पार्षदों के प्राप्त पत्रों पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरू आचार्य सुधांशु महाराज ने दूधेश्वर नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक व विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरू आचार्य सुधांशु महाराज का 4 दिवसीय विराट भक्ति सत्संग कार्यक्रम घंटाघर के रामलीला मैदान में गुरूवार की सांय से शुरू हुआ। सत्संग से पूर्व आचार्य सुधांशु महाराज गाजियाबाद के ऐतिहासिक सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचे।

उन्होंने भगवान दूधेश्वर का अभिषेक किया व भगवान दूधेश्वर समेत मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं व सिद्ध गुरू मूर्तियों की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंदिर का अवलोकन कर मंदिर के पीठाधीश्वर, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से मुलाकात की।

दोनों के बीच धर्म चर्चा हुई और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि केद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। महाराजश्री ने उनका भगवान दूधेश्वर का पटका पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। आचार्य सुधांशु महाराज ने कहा कि दूधेश्वर मंदिर में पुजा-अर्चना करने-साधना करने का अलग ही अनुभव प्राप्त होता है क्योंकि यहां पर साक्षात भगवान शिव दूधेश्वर भगवान के रूप में निवास करते हैं।

जिलाधिकारी ने की जनसुनवाई, कहा–शिकायत का किया जायेगा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

जनसुनवाई से सम्बंधित प्रकरणों को समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु अधिकारियों को दिए दिशा–निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी प्रशासन कार्यालय में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जनसुनवाई व जनसुनवाई से सम्बंधित प्रकरणों को समयान्तराल में गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने हेतु अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये। जन सुनवाई के दौरान शिकायतकताओं एवं प्राथियों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, बैंक, घरेलू झगड़ें से सम्बंधित शिकायतें प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित विभागध्यक्षों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। उन्होने शिकायतकताओं को समयावधि देते हुए कहा कि यदि दिये गये समय में शिकायत का निष्पक्ष, स्वतंत्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं होता है तो आप मुझसे दोबारा मिल सकते है, जिससे कि शिकायत का निष्पक्ष, स्वतंत्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा सके। शिकायतकताओं ने जिलाधिकारी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि महोदय आपके द्वारा शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त करने से हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारी समस्या का निश्चित ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो जायेगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचारों के विरोध में जन आक्रोश सभा

गाजियाबाद (यू.पी. ऑब्ज़र्वर)। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचारों के विरोध में गाजियाबाद जिले के हिंदुओं ने एक जन आक्रोश प्रदर्शन का आयोजन किया है। यह प्रदर्शन कविनगर रामलीला मैदान में 8 दिसंबर को सुबह 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन में राजनगर एक्सटेंशन में रहने वाले सभी हिंदू भाईयों का सहयोग अपेक्षित है। इस संबंध में आज एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी सोसायटियों से गणमान्य नागरिकों, अडअ के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के श्री मदन त्यागी जी ने आगामी 8 दिसंबर को होने वाली जन आक्रोश सभा की रूपरेखा से अवगत कराया तथा सभी उपस्थित सज्जनों से निवेदन किया कि सभा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जनमानस राष्ट्रहित मे वरिष्ठ वक्तदों के विचार सुनने के लिए पहुंचे। पूर्व पार्षद संजीव त्यागी ने सभी उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वह अपनी अपनी सोसाइटीज से ज्यादा से ज्यादा लोगों को 8 दिसंबर को होने वाली सभा में पहुंचने के लिए प्रेरित करें। इस बैठक में फ्लैट ओनर्स फेडरेशन आफ गाजियाबाद राज नगर एक्सटेंशन इकाई के अध्यक्ष श्री राजकुमार त्यागी जी, महामंत्री कैप्टन गोपाल सिंह , मीडिया प्रभारी मनोज अग्रवाल, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ के शरद सिंघल, सह मीडिया प्रभारी एसपी भटनागर , अखिल अग्रवाल हरिओम त्यागी, पुनीत गोयल, देवेंद्र सिंह, कुश त्यागी, दिलीप त्यागी, सौरभ शर्मा एवं अतुल त्यागी के अलावा बहुत सारी अन्य सोसाइटीज की ए ओ ए के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रत्येक लाभार्थी का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएं एवं चिकित्सालयों के रिजेक्ट केस का जल्द करें निवारणः अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी के निर्देशन पर अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जिला शिकायत निवारण समिति की बैठक आहूत हुई।

बैठक के दौरान एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने चिकित्सालय प्रबंधकों एवं चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वह योजना के लाभार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दें। प्रत्येक लाभार्थी का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएं, इसके साथ ही सभी चिकित्सालय प्रबंधक अपने–अपने चिकित्सालय परिसर में आयुष्मान भारत कार्ड बनाने की व्यवस्था करें जिससे कि लाभार्थी अस्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक प्रकार से उपचार प्रदान किया जा सके और योजना के संबंध में सकारात्मक छवि बने। बैठक में उपस्थित चिकित्सालयों के प्रबंधकों द्वारा आस्वस्त किया गया कि वह योजना के प्रचार प्रसार एवं लाभार्थियों के कार्ड बनाने और उपचार देने में पूर्ण सहयोग करेंगे एवं आगे भी इस प्रकार का सहयोग प्रदान किया जाता रहेगा।

शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि चिकित्सालयों द्वारा की गये उपचार के सापेक्ष भुगतान किये जाने का कार्य एवं उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए आईएसए एवं एसएचए टीम त्वरित कार्यवाही से कार्य करें। जिससे चिकित्सालयों की रुचि भी बनी रहे एवं योजना के लाभार्थियों को समान रूप से लाभ प्राप्त होता रहे।

बैठक में आयुष्मान योजना के नोडल अधिकारी डॉ.राजेश तेवतिया, डीआईयू टीम से अजय रावल, सोनू एवं आईएसए डिस्ट्रिक्ट को–ऑर्डिनेटर तथा योजना में आबद्ध चिकित्सालयों के प्रबंधक एवं चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित हुए।

संविधान निमार्ता डॉक्टर अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। देश के संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर आज 6 दिसंबर 2024 को दलित शोषण मुक्ति मंच गाजियाबाद द्वारा जिला कार्यालय 345 लाल झंडा भवन, कल्लूपुरा, अंबेडकर रोड गाजियाबाद में एक समारोह हरपाल सिंह की अध्यक्षता का आयोजित किया गया।

सबसे पहले कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद मंच के दिल्ली (एन सी आर) राज्य कमेटी के संयोजक कॉमरेड नत्थू प्रसाद, अध्यक्ष कॉमरेड ब्रम्हजीत सिंह, जिला कमेटी गाजियाबाद के नेता का. गजेंद्र पाल सिंह, का. ठाकुर दास, का. त्रिफूल सिंह द्वारा संबोधित करते हुए बाबा साहेब के द्वारा संविधान में दलित/वंचित वर्ग के लिए दिये गये अधिकारों के बारे व्यापक रूप में प्रकाश डाला गया। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में से आर के शर्मा, नेत्रपाल सिंह आदि कई ने समाज में आज भी दलितों के ऊपर हो रहे दमन शोषण के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए चर्चा में भाग लिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए करायें प्रचार–प्रसारः डीएम

लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित कराये जाने हेतु योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करायेंः मुख्य विकास अधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत समिति की बैठक आहूत हुई। जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का वृहद स्तर पर प्रचार कराया जाएं। ग्राम प्रधान, सभासद, पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित करते हुए योजना का प्रचार–प्रसार करायें, जिससे अधिक से अधिक पात्र लोग इस योजना के बारे में जान सके और इसका लाभ प्राप्त कर सके।

साथ ही मेरे (जिलाधिकारी गाजियाबाद) के नाम से सभी से अपील करते हुए का पम्पलेट छपवायें और अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लक्ष्य अनुरूप प्रगति सुनिश्चित कराये जाने हेतु योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देशित किया गया कि उनके स्तर से नगर क्षेत्र में समस्त पार्षद एवं ग्रामीण क्षेत्र में समस्त ग्राम प्रधानों को योजना के विषय में यह अवगत कराया जाये कि ऐसे गरीब व्यक्ति, जो समारोहपूर्वक अपनी पुत्रियों की शादी नहीं कर पाते है शासन की इस कल्याणकारी योजना के अन्तर्गत पंजीकरण कराये। योजनान्तर्गत पुत्री के बैंक खाते में रू0 35,000/- की धनराशि अन्तरित की जाती है व रू0 10,000/- की उपहार सामग्री के साथ-साथ आयोजन में रू0 6,000/- प्रति जोड़ा की धनराशि व्यय की जाती है, इस आशय का विस्तृत उल्लेख करते हुये अर्द्धशासकीय पत्र के माध्यम से अनुरोध पत्र प्रेषित किया जाये।

यह भी निर्देशित किया गया कि खण्ड विकास अधिकारी के स्तर से समस्त ग्राम पंचायत सचिव को अपनी ग्राम पंचायत में बी०पी०एल परिवार, अन्तयोदय एवं निर्धन परिवार से 02-02 जोड़ों का विवाह कराये जाने का लक्ष्य दिया जाये। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि योजना का पम्पलेट बनवाकर पार्षदों को प्रचार प्रसार हेतु दिया जाये एवं समाचार पत्रों में निरन्तर प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रचार कराया जाये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि गाज़ियाबाद नगर निगम सीमा अन्तर्गत विजय नगर क्षेत्र, अर्थला व लोनी तथा खोड़ा नगर पालिका क्षेत्र में योजना का प्रचार प्रसार किया जाये। इन स्थानों से पात्र लाभार्थी मिल सकते है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि जेम पोर्टल पर नवीन बिड की सुविधा अनुमन्य नहीं होने के कारण वर्ष 2023-24 में जेम पोर्टल पर बिड के माध्यम से स्वीकृत संस्था से उपहार सामग्री एवं आयोजन की व्यवस्था कराये जाने का अनुमोदन जिलाधिकारी द्वारा दिया गया था। वर्तमान में जनपद में सम्पन्न हुये 43 जोड़ों के सामूहिक विवाह में आयोजन एवं उपहार सामग्री का वितरण पूर्व स्वीकृत फर्म के माध्यम से कराया गया है।

वर्तमान में भी जेम पोर्टल पर बिड/ई-टेण्डर की व्यवस्था संचालित नहीं है। जिलाधिकारी द्वारा यह व्यवस्था दी गई कि जेम पोर्टल/ई-टेण्डर संचालित होने पर आपूर्तिकर्ता एवं आयोजनकर्ता फर्म का चयन कर लिया जाये। जिलाधिकारी द्वारा कठोर निर्देश दिये गये कि पात्रता का परीक्षण गहनता से किया जाये। किसी भी दशा में अपात्र जोड़ों का विवाह न होने पावे। अन्यथा जाँचकर्ता अधिकारी / कर्मचारी के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल, मुख्य कोषाधिकारी श्रीमती पुष्पांजली, उपायुक्त जिला उद्योग केन्द्र श्री श्रीनाथ पासवान, ए०आर०ओ० आपूर्ति विभाग श्री विशाल यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) / जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री दिग्विजय सिंह, प्रभारी जिला कार्यकम अधिकारी श्रीमती विनिता चन्द्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री वेद प्रकाश मिश्र सहित अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा समिति को योजना के विषय में विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया।

पत्रकारिता के पितामह वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप तलवार नहीं रहे

हिंडन नदी पर उनके पुत्र रजत तलवार ने दी मुखाग्नि दी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पत्रकारिता जगत के पितामह रहे वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप तलवार का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। वे करीब 90 वर्षीय के थे। वे अपने पीछे अपने विवाहित पुत्र व पुत्री को छोड़ गये हैं। करीब दो साल पहले उनकी पत्नी संतोष तलवार परलोक सिधार गयीं थीं।

हिंडन नदी पर गुरुवार शाम उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके पुत्र रजत तलवार ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर मीडिया जगत के सैंकड़ों पत्रकार, समाजसेवियों, राजनेताओं, मित्रगण, रिश्तेदार मौजूद रहे।

कुलदीप तलवार के पुत्र रजत तलवार ने बताया कि पिछले सप्ताह घर में ही चलते समय अचानक पैर फिसलने से उनके दायें पैर में फ्रैक्चर आ गया था। इसके चलते उन्हें यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन होने के बाद तीन दिन बाद अस्पताल से उनकी छुट्टी करके घर भेज दिया गया था। गुरुवार की शाम उनकी तबीयत फिर से बिगड़ गयी थी, जिससे तत्काल उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका और शुक्रवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। कुलदीप तलवार उच्च कोटि के पत्रकार तो थे ही, केंद्र सरकार में एक आला अफसर भी रहे थे। वे भारतीय खाद्य निगम के महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्त अधिकारी थे।

केंद्र सरकार में सेवा के दौरान कुलदीप तलवार की गिनती काबिल एवं ईमानदार अफसरों में होती थी। इससे पहले उन्होंने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता से की थी। बाद में केंद्र सरकार में नौकरी मिलने

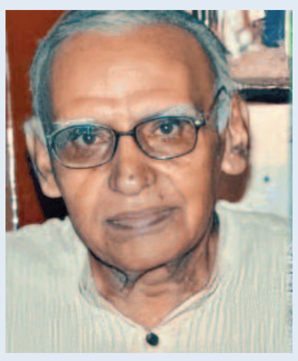

के बाद भी पत्रकारिता से उनका नाता नहीं छूटा। नौकरी के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद भी वह अंतिम समय तक लेखन कार्य करते रहे। पिछले कई माह से देश के जाने माने शायरों के शेरों- शायरी से संबंधित एक पुस्तक लिख रहे थे, जिसका 95 फीसदी काम पूरा हो चुका था। इस पुस्तक को जनवरी में प्रकाशित किया जाना था, लेकिन कार्य कर रहे थे जो लगभग पूरी हो चुकी थी और इस पुस्तक का प्रकाशन जनवरी में होना तय था, लेकिन इसके पहले की उनकी इस पुस्तक के छपने का स्वप्न पूरा होता, ईश्वर ने हमेशा हमेशा के लिए उन्हें अपने पास बुला लिया और इस पुस्तक के प्रकाशन की उनका ख्वाब अधूरा ही रह गया ।

कुलदीप तलवार का जन्म 16 नवंबर 1934 को खुशाब (पश्चिमी पाकिस्तान) में हुआ। उनके पिता स्व. श्री रामलुभाया मल व माता स्वं श्रीमती कौशल्या देवी थीं। उन्होंने एम.ए. (अर्थशास्त्र) करने के बाद एक उर्दू साप्ताहिक अखबार से अपनी पत्रकारिता की शुरूआत की थी। साहित्य सेवा व पत्रकारिता करने के दौरान ही उनकी भारतीय खाद्य निगम में नौकरी लग गयी, जहां से वे महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत हुए।

कुलदीप तलवार उर्दू और हिंदी भाषाओं के बीच पुल का कार्य कर रहे। उन्होंने उर्दू शायरी को हिंदी पाठकों व हिंदी कविता को उर्दू पाठकों के समक्ष करीब 15 सालों तक हिंदुस्तान टाइम्स समूह की प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'कादंबिनी' के लिए उर्दू शायरी स्तंभ 'इनके भी बयाँ जुदा-जुदा' लिखते रहे हैं। धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान, ब्लिट्ज, दैनिक हिंदुस्तान, नवभारत टाइम्स, दैनिक ट्रिब्यून, नवनीत, कादंबिनी, रंग चकल्लस, संडे मेल आदि में हास्य-व्यंग्य बराबर लिखते रहे। बच्चों के लिए कहानियाँ भी लिखी हैं। प्रकाशन विभाग, भारत सरकार ने पुस्तक 'हँसी-हँसी में' प्रकाशित की है, जिसके छह संस्करण छपकर सामने आ चुके हैं। बच्चों के लिए नाना-नानी की कहानियां प्रकाशक हिन्द पॉकेट व पेंगुइन, हास्य-व्यंग्य संग्रह गुस्ताखी माफ जिसे काफी सराहा गया।

हिंदी पत्रकारिता में विशेष तौर पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश, पाक अधिकृत कश्मीर की राजनीति पर लेखन में उन्हें महारत हासिल थी। पाकिस्तान पर अमर उजाला में दो दशक तक उनके नियमित लेख प्रकाशित होते रहे। पत्रकारिता के लिए उन्हें भारत संचार सम्मान (भारत सरकार) इंडियन फैड्रेशन स्माल मीडियम न्यूजपेपर्स गाजियाबाद, आजमगढ़, जयपुर एवं मुंबई की अलग-अलग पत्रकार व सांस्कृतिक संस्थाओं की तरफ से दर्जनों सम्मान मिले। वे आथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, दिल्ली जर्नलिस्ट एसोसिएशन, गीताभ (गाजियाबाद) से भी जुड़े हुए थे। विख्यात व्यंग्यकार पद्म श्री के.पी. सक्सेनाकी गुदगुदाती स्मृतियों को भी उन्होंने अपने कलम से भी नया रंग दिया था।

पी कुमार बने एसोचैम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। ईस्ट इंडिया उद्योग लिमिटेड के वरिष्ठ निदेशक डॉ पी कुमार को एसोचैम, उत्तर प्रदेश का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ पी कुमार वर्तमान में उपाध्यक्ष के पद पर हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद उनके कार्य को देखते हुए संगठन ने पदोन्नत किया। डॉ कुमार पूर्व में भी उद्योगों एवं अधिकारियों के बीच सामंजस्य बिठाकर उद्योगों की समस्याओं का निराकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। समय-समय पर उद्योगों से संबंधित समस्याओं को शासन के समक्ष उठाकर एवं शासन की नई नीतियों का प्रचार प्रसार कर उद्योगों के हित में लगातार कार्य कर रहे हैं। इस संबंध में डॉक्टर कुमार से बात करने पर उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर सरलीकरण की प्रक्रिया की जा रही है लेकिन अधिकारियों और उद्योगों के बीच उचित संपर्क स्थापित न होने की वजह से सरकार द्वारा दी गई रियायतों का सही फायदा नहीं पहुंच रहा है वह इस संबंध में सरकारी अधिकारी व उद्योगों के बीच संपर्क सूत्र बनकर औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों के हित में लगातार कार्य करेंगे एवं राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की उद्योगों को लाभान्वित करने वाली सुविधाओं एवं प्रक्रियाओं को सरल करने के लिए सरकार से अनुरोध करेंगे एवं अधिकारियों से आशा है कि आने वाले समय में उनकी सभी समस्याओं का निराकरण निश्चित समय अवधि के बीच किया जाएगा उनके इस पदोन्नति पर उद्योगपति गौरव किशोर भारतीय, मोहित सराओगी, राकेश पांडे, नागेश राघव, नीरज कंसल, उज्जवल दादू, मयंक शर्मा, सत्येंद्र त्यागी, मनोज अग्रवाल, सुनील शर्मा, बनवारी लाल गुप्ता, सचिन शर्मा एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने हर्ष प्रकट किया एवं डॉ कुमार को इसके लिए बधाई दी।

विपक्ष बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर मौन क्यों : सीएम योगी

सीएम योगी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के निर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। आज बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्ध और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को कट्टरपंथियें द्वारा मारा जा रहा है। उन्हें जलाया जा रहा है। उनकी संपत्तियों को लूटा जा रहा है। इतना ही नहीं माता और बहनों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जब तक वहां जिन्ना का जिन्न रहेगा तब तक इस तरह की अराजकता होती रहेगी। वहां पर गरीबों और वंचितों का शोषण हो रहा है। यह पाप 1947 में देश के विभाजन के रूप में सभी के सामने आया था। उसी का बदसूरत स्वरूप बांग्लादेश के रूप में फिर हमारे सामने है। बाब साहेब ने 1946-47 में ही जनता को इसे लेकर आगाह कर दिया था। उन्होंने कहा था कि देश का बंटवारा मत होने दीजिए। अगर यह हो गया तो आर-पार की लड़ाई शुरू हो जाएगी, जो आज हमारे सामने है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा मार्ग स्थित आंबेडकर महासभा परिसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के निर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 1947 में पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की बड़ी तादाद में आबादी थी। बांग्लादेश में 1971 तक 22 पर्सेंट हिंदू रहते थे, आज वह घटकर 6 से 8 फीसदी रह गये हैं। आज वहां जो कुछ भी हो रहा है, अगर इसी तरह नरसंहार चलता रहा तो यह संख्या बहुत सीमित रह जाएगी। इसको लेकर आवाज उठनी शुरू हो गयी है। यह आवाज वही उठा रहे हैं, जो दलितों के काम करना चाहते हैं। वहीं जो लोग हमेशा दलितों को अपना वोट बैंक बना करके उनका शोषण करते आए हैं, वह बांग्लादेश की घटना पर मौन हैं। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा है क्योंकि वह सच स्वीकारबनहीं कर सकते हैं और सच बोल भी नहीं सकते हैं। उनमें बोलने का सामर्थ्य नहीं है इसलिए वह बांग्लादेश के दृश्य पर मौन हैं।

यह लोग सिर्फ संविधान की प्रति दिखाकर ढोंग कर रहे हैं। उन्हें बाबा साहब के मूल्यों से कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले भी इन्होंने बाबा साहब के मूल संविधान पर कुठाराघात करके उसकी हत्या करने का प्रयास किया था। सीएम ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना से उसकी आत्मा हटाने का काम किया है। वर्ष 1975 में देश में इमरजेंसी लागू करके बाबा साहब का अपमान किया था।

आज भी कांग्रेस यही कर रही है। इन्होंने मूल संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके वह शब्द डालने का काम किया था, जो बाबा साहब ने मूल संविधान में डाले ही नहीं थे। ऐसे में जो यह ढोंग कर रहे हैं, उसका वास्तविक चेहरा जनता और देश के सामने लाने की आवश्यकता है। बाबा साहब हमेशा वंचित, पीड़ित और शोषित लोगों के लिए काम करते रहे। उन्होंने ही समाज को नई दिशा दिखाते हुए खुशहाल समाज की परिकल्पना दी।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों, वंचितों और दलितों के लिए बाबा साहब के सपने को साकार करते हुए लगातार काम कर रही है। हमारी सरकार उन्हें फ्री टॉयलेट, आवास, जमीन के पट्टे उपलब्ध करा रही है। उन्हें पेंशन की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। एससी-एसटी वर्ग के छात्रों स्कॉलरशिप और शुल्क प्रतिपूर्ति दी जा रही है। वर्तमान में हम जीरो पावर्टी के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि आने वाले समय में गरीबी को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। सभी वंचितों को राशन, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, हर घर तक पानी समेत अनेक सुविधाओं को लाभ दिया जाएगा। हमारी सरकार गरीब, वंचितों और दलितों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए कटिबद्ध है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार बाबा साहब पर शोध हो सके, जीवन दर्शन को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाया जा सके, इसके लिए लखनऊ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना करने जा रही है। अंबेडकर महासभा के आवाहन और उनकी मांग पर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना की जा रही है, जहां पर भव्य ऑडिटोरियम के साथ लाइब्रेरी भी होगी।

यहां पर छात्राओं के लिए छात्रावास और अतिथि गृह के साथ बाबा साहब का भव्य स्मारक भी होगा। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक ओपी श्रीवास्तव, रामचंद्र प्रधान, बीजेपी लखनऊ महानगर के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं, यह वहीं लोग हैं जो दलितों के गांव जलाने पर चुप थे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं। वह समाज में झूठ फैला रहे हैं। यह वही लोग हैं, जो उसे समय हैदराबाद के निजाम और उनके राजाकारों द्वारा दलितों के गांव जलाए जा रहे थे तो चुप थे। उस दौरान उनका शोषण हो रहा था। उन पर अत्याचार किया जा रहा था। उस समय भी बाबा साहब आंबेडकर ने खुला पत्र लिखा था कि हैदराबाद के निजाम की रियासत के सभी दलितों, जिन पर अत्याचार हो रहा है, वह निजाम की रियासत को छोड़कर महाराष्ट्र की ओर चले जाएं, लेकिन अपना धर्म और मत न बदलें। वहीं हैदराबाद के निजाम और पाक परस्त जिन्ना के लोगों ने अपने नापाक इरादों को अंजाम देने के लिए बाबा साहब को प्रलोभन देने का प्रयास किया, लेकिन वह अपने आदर्शों से टस से मस नहीं हुए। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारतीय ही रहूंगा। मैंने भारतीय के रूप में जन्म लिया है और मेरी अंतिम यात्रा भी भारतीय के रूप में ही निकलेगी। उन्होंने आजीवन इस व्रत का पालन भी किया। वह लगातार दलित और वंचितों के लिए काम करते रहे। जिन लोगों ने बाबा साहब की बात मानी, वह आज भारत में सुरक्षित हैं और आरक्षण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। हमारी सरकार उन सभी का सम्मान करने के साथ उन्हे हर सुविधा उपलब्ध करा रही है।

महाकुम्भ में जल निगम, नगरीय के 3 अस्थाई और नैनी, झूंसी के स्थाई एसटीपी करेंगे स्लज ट्रीटमेंट

प्रयागराज दौरे पर शनिवार को अरैल फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का मुख्यमंत्री करेंगे निरीक्षण ▶ **9 सेसफुल व्हीकल और पाइपलाइन की मदद से होगा मेला क्षेत्र के स्लज का निस्तारण** ▶ **अलोपी पम्पिंग स्टेशन 10 दिसंबर से पूरी क्षमता 80 केएलडी से करेगा कार्य**

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के लिए निर्माण कार्य भी पूरे जोर शोर से हो रहे हैं। सीएम योगी के स्वच्छ और स्वस्थ महाकुम्भ के विजन को साकार करने में जल निगम, नगरीय पूरी क्षमता से कार्यरत है। एक ओर तो जल निगम, नगरीय महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था कर रहा है, साथ ही पूरे मेला क्षेत्र के स्लज निस्तारण की जिम्मेदारी भी संस्था की ही है। इसी क्रम में निगम स्थाई और अस्थाई ट्रीटमेंट प्लांट, सेसफुल व्हीकल व पाइपलाइन की मदद से मेला क्षेत्र के 1,50,000 शौचालयों के स्लज का ट्रीटमेंट करेगा। इसी दिशा में अलोपी पम्पिंग स्टेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है, ताकि महाकुम्भ का अतिरक्त दबाव प्रयागराज शहर पर न पड़े।

अरैल फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का मुख्यमंत्री करेंगे निरीक्षण

महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्लज का अतिरिक्त दबाव प्रयागराज शहर पर न पड़े इसके लिए जल निगम ने पहले ही अलोपी पम्पिंग स्टेशन की क्षमता विस्तारीकरण का कार्य पूरा कर लिया है। इसके बारे में अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि अलोपी पम्पिंग स्टेशन की क्षमता 45 केएलडी से बढ़ा कर 80 केएलडी करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। 10 दिसंबर से राइजिंग के कार्य के बाद अलोपी पम्पिंग स्टेशन पूरी क्षमता से कार्य करने लगेगा। इसके दोनों ओल्ड और न्यु सम्प की वर्किंग शुरू हो जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि सीएम योगी 07 दिसंबर को अपने प्रयागराज दौर पर अरैल स्थित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करेंगे। ये ट्रीटमेंट प्लांट जून महीने से नैनी, महेवा और आस-पास के घरेलू सेप्टिक टैंक के स्लज को ट्रीट कर रहा है। यहां से ट्रीटेड स्लज झूंसी के को-ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाता है, वहां से फाइनली 10 से 20 बीओडी का ट्रीटेड पानी छोड़ा जाता है।

शत प्रतिशत ओडीएफ का लक्ष्य

सनातन संस्कृति के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ 2025 में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने का अनुमान है। स्वच्छ और स्वस्थ महाकुम्भ की सीएम योगी की मंशा के मुताबिक महाकुम्भ मेला क्षेत्र को पूरी तरह ओडीएफ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के मुताबिक मेला क्षेत्र में रिकॉर्ड 1,50,000 शौचालय बनाए जा रहे हैं। मेला क्षेत्र के शौचालयों के स्लज का निस्तारण करने के लिए जल निगम, नगरीय ने 3 अस्थाई और नैनी, झूंसी के स्थाई एसटीपी और अरैल के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की मदद से किया जाएगा। जल निगम नगरीय विभाग के अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि महाकुम्भ के स्लज निस्तारण के लिये बार्क की मदद से मेला क्षेत्र में 3 अस्थाई एसटीपी बनाए गये हैं। इन एसटीपी तक स्लज पहुचांने का कार्य विभाग के 9 सेसफुल व्हीकल और सीवेज पाइप लाइन करेंगी। जल निगम में इसके लिए 4 हजार लीटर कैपिसिटी के चार, 3 हजार लीटर के तीन और हजार लीटर के दो सेसफुल व्हीकल मेला क्षेत्र में नियमित स्लज निस्तारण का कार्य करेंगे। मेला क्षेत्र का शेष गंदा पानी सीवेज पाइप लाइन से सीधे एसटीपी तक पहुंचेगा।

महाकुम्भ 2025: ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा प्रयागराज महाकुम्भ

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हजारों ग्रामीण महिलाओं को महाकुम्भ में रोजगार के लिए दिए जा रहे हैं स्टॉल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ। त्रिवेणी के तट पर जनवरी 2025 को आयोजित होने जा रहा महाकुम्भ ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बनने जा रहा है। राज्य आजीविका मिशन से जुड़ी ग्रामीण क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को महाकुम्भ क्षेत्र में विभिन्न स्टॉल और दुकानें दी जाएंगी। राज्य आजीविका मिशन की तरफ से इसकी पूरी योजना तैयार की गई है जिसमे ग्रामीण महिलाओं को ही लगाया जायेगा।

महाकुम्भ क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं को मिलेंगे स्टॉल

माघ मेला हो, कुम्भ मेला हो या फिर महाकुम्भ इनके आयोजन में करोड़ो लोग मेला क्षेत्र आते हैं। त्रिवेणी में स्नान के साथ मेला क्षेत्र में ये अल्पाहार से लेकर खाने पीने सामग्री लेते हैं।

महाकुम्भ से अपने घर के लिए ये अपने उपयोग की वस्तुएं खरीदते हैं। इसे देखते हुए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ा जा रहा है। उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि मेला क्षेत्र में इन ग्रामीण महिलाओं को 5 कैंटीन संचालित करने की जिम्मेदारी देने की योजना है।

मेला क्षेत्र के प्रत्येक सेक्टर ने इन महिलाओं को 10 दुकानें देने के लिए प्रस्ताव कुम्भ मेला प्राधिकरण को भेजा जा रहा है। इसके अलावा मेले की सरस हाट में भी 40 से अधिक दुकानें इन ग्रामीण महिलाओं को आवंटित करने के लिए अनुरोध किया गया है। इससे 5 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

महिलाओं के उत्पाद करेंगे महाकुम्भ की ब्रांडिंग

महाकुम्भ क्षेत्र में ये महिलाएं जो दुकान या स्टॉल लगाएंगी उनके उत्पाद को इस तरह से तैयार कराया जा रहा है कि इससे प्रयागराज महाकुम्भ की ब्रांडिंग भी शहर, कस्बे से लेकर गांव की गली गली तक हो। उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह के मुताबिक, महिलाओं के लिए आवंटित इन स्टॉल में बहु उपयोगी वस्तुओं के रखने की योजना है। महाकुम्भ के समय सर्दी रहेगी, ऐसे में सर्दी से बचाने वाले मफलर बनाए जा रहे हैं जिसमें महाकुम्भ का लोगो और स्लोगन लिखा होगा।

इसी तरह महाकुम्भ की सेल्फी कैप भी युवा पीढ़ी के लिए तैयार करवाई जा रही जो सर्दी से भी रोकेंगे और युवाओं के लिए सेल्फी लेने में अच्छा लुक देंगी।

सीएम योगी के आने से पहले सेंट्रल हॉस्पिटल में 10 बेड का आईसीयू तैयार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखभाल के लिए इस बार विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप स्वस्थ महाकुम्भ की योजना को साकार करने के लिए मेला क्षेत्र में युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। इस बार के महाकुम्भ में श्रद्धालुओं से लेकर महात्माओं तक के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर तैनाती की जा रही है। इसी क्रम में यहां पमहाकुम्भ नगर के परेड ग्राउंड में 100 बेड का अस्पताल बनकर लगभग तैयार हो चुका है। सीएम योगी के आने से पूर्व 10 बेड के आईसीयू को पूरी तरह रेडी कर लिया गया है।

सेंट्रल हॉस्पिटल की जिम्मेदारी देख रहे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गौरव दुबे बताते हैं कि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न आने पाए इसके लिए हमारी तैयारी पुख्ता है।

24 घंटे काम करेगा अस्पताल

परेड क्षेत्र में बन रहे 100 बेड वाले अस्पताल की जिम्मेदारी देख रहे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गौरव दुबे के अनुसार, परेड ग्राउंड में 100 बेड का अस्पताल तैयार है। मेला के दौरान यहां 24 घंटे डॉक्टरों की तैनाती रहेगी, जहां अनलिमिटेड ओपीडी की क्षमता के हिसाब से सुविधाएं मौजूद रहेंगी। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ में मेल, फीमेल और चिल्ड्रन वार्ड अलग-अलग तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त डिलीवरी रूम, इमरजेंसी वार्ड और डॉक्टर्स रूम भी बन रहे हैं। जांचों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। ओपीडी के साथ ही एक्सरे, अल्ट्रासाउंड और ईसीजी रूम को भी तैयार कर लिया गया है।

गुरु तेग बहादुर ने विदेशी आक्रांताओं से कश्मीर और सनातन की रक्षा की: योगी आदित्यनाथ

गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहियागंज गुरुद्वारा में गुरु परंपरा के नवम्‌गुरु श्री तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम योगी ने उनके बलिदान और स्मृतियों को नमन करते हुए कहा कि सिख पंथ के अनुयायियों ने अपनी साधना और सामर्थ्य से अपने कौम के साथ-साथ पूरे देश को और पूरे सनातन धर्म को न केवल सुरक्षा प्रदान की बल्कि एक लंबे समय के लिए उन्हें अभय भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस समय कश्मीर को बचाया था जब वहां के सनातन धर्मावलंबियों को विदेशी आक्रांताओं द्वारा धर्म परिवर्तन करने का आदेश मिला था। सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों को एक नया जीवन दिया था। धर्म परिवर्तन के आदेश के बाद सुरक्षा के लिए भटक रहे कश्मीरी पंडितों को न सिर्फ नया जीवन दिया था बल्कि उनसे कहा था कि अत्याचारियों से कह दो कि पहले हमारे गुरु को इस्लाम स्वीकार कराओ। सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने हमेशा देश और धर्म को प्राथमिकता दी और किसी विदेशी आक्रांता के सामने सिर नहीं झुकाया। सीएम योगी ने कहा कि वह कैसा कालखंड रहा होगा जब एक विदेशी आक्रांता बाबर देश के अंदर अत्याचार कर रहा था, उसके खिलाफ गुरु नानक देव जी ने आवाज उठाई थी। सीएम ने कहा कि इतिहास के उन पन्नों को कौन नहीं जानता है जब भक्ति की इस परंपरा से ऊपर उठकर उन्होंने समय के साथ तात्कालिक समाज को एक नई दिशा देने का काम किया था। वहां से चलकर हम शहादत और बलिदान की एक सुदृढ़ नियम को आगे बढ़ाते हुए गुरु गोविंद सिंह महाराज तक पहुंचे। वह शक्ति का एक दिव्य पुंज बन करके न केवल सनातन धर्म की रक्षा के लिए बल्कि भारत की रक्षा के लिए अपने आपको बलिदान करने से पीछे नहीं हटे। सीएम योगी ने कहा कि आज जब हम देश और दुनिया के अंदर सिखों को स्वावलबंन और आत्मनिर्भरता के साथ कार्य करते हुए देखता हूं तो अच्छा लगता है। यही गुरु प्रसाद है, यही गुरु का आशीर्वाद है और यही गुरु की परंपरा का अनुसरण करने का परिणाम है कि आपकी श्रद्धा ने गुरु के आशीर्वाद के रूप में सब को आगे बढ़ाने के लिए एक खुशहाल जीवन जीने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की है।

सीएम योगी ने 26 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित होने वाले वीर साहिबदाजा दिवस कार्यक्रम में आने के लिए सभी को आमंत्रित किया। सीएम योगी ने कहा कि यह कार्यक्रम एक श्रृंखला है। यह अनवरत आगे बढ़ती रहनी चाहिए। क्योंकि यह इतिहास है और इस धरोहर को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्तमान के युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, उन्हें बताने की आवश्यकता है कि देश और धर्म के लिए बड़ी उम्र जरूरी नहीं है। 7 साल, 9 साल, 11 साल और 14 साल की उम्र में ही देश और धर्म के काम आया जा सकता है।

इस अवसर उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह समेत गुरुदवारा समिति से जुड़े कई पदाधिकारी और कई गणमान्य उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुर ने गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जैसा सशक्त शक्तिपुंज भी देश को दिया: योगी

सीएम योगी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर अपनी शहादत के पहले सनातन धर्म की रक्षा के लिए, देश और धर्म की रक्षा करने के लिए गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जैसा सशक्त शक्तिपुंज भी देश को दिया। उनके चार-चार साहिबजादे बलिदान हो गए। सीएम योगी ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी जी के आभारी हैं, जिन्होंने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित करने की घोषणा की। यह मेरा सौभाग्य है कि वीर बाल दिवस सन् 2020 से लगातार मुख्यमंत्री आवास में पूरी भव्यता के साथ आयोजित हो रहा है। पूरा संत समाज इसमें शामिल होता है। हम गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के चार-चार साहिबजादे और माता गुजरी को नमन करते हुए आज के युवा पीढ़ी के लिए और आज के बच्चों के सामने एक नया आदर्श शहादत के रूप में सामने रखते हैं जो आज के लिए देश और धर्म के लिए आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि यह महान सिख गुरुओं का इतिहास है जो हम सभी जीवन में एक नई प्रेरणा प्रदान करता है।

हिन्दुओं और सिखों के बीच में खाई पैदा करने वालों से सावधान रहें: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि उन लोगों से सावधान होने की आवश्यकता है जो हिंदुओं और सिखों के बीच में खाई पैदा करना चाहते हैं। वो लोग इतिहास को तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का भाव रखते हुए इस बारे में अपने आप को तैयार करना है। यह गुरु परंपरा गुरु नानक देव जी से लेकर के गुरु गोविंद सिंह महाराज तक और जो शहादत की परंपरा सिख कौम ने देश और धर्म के लिए दी है यह हमें जीवंतता प्रदान करता है। हमें उसका अनुसरण करना है, उसको अपना इतिहास मानना है, उसको अपने जीवन का हिस्सा मानना है और वही हमारे लिए आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए एक आधार हो सकता है। सीएम योगी ने कहा कि अगर हम उसका अनुसरण करेंगे तो दुनिया की कोई भी ताकत आपका बाल बांका नहीं कर पाएगी क्योंकि हमारे पास गुरु परंपरा की दिव्या विभूतियां हैं, उनकी साधना हम सभी की शक्ति का आधार है।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

ऑनलाइन मकड़जाल में साइबर सेंधमारी, मोबाइल बन रहा जी का जंजाल

साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं के बीच मोबाइल फोन का उपयोग करने वालों के लिए जोखिम लगातार बढ़ रहा है। एक ओर लोगों के डेटा निरंतर चुराने की खबरें आती हैं, वहीं अब मोबाइल में बेतहाशा सेंधमारी होने लगी है। इसका अर्थ है कि लोगों की निजता खतरे में है। बैंकिंग लेन-देन से लेकर उनकी तमाम गतिविधियों पर नजर है। मोबाइल उपयोगकर्ता की सभी जानकारियां पलक झपकते सेंधमारों तक पहुंच जाती है। इसके बाद क्या होता है, यह किसी से छिपा नहीं है। फिलहाल तो इस खबर ने चिंता बढ़ा दी है कि हमारे यहां मोबाइल फोन में सर्वाधिक सेंधमारी हो रही है। ह्यजेडस्केलर थ्रेटलैब्ज 2024 मोबाइल, आइओटी एंड ओटी थ्रेट रपटह्ल को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसके मुताबिक, दुनिया भर में हुई सेंधमारी के क्रम में भारत में सबसे अधिक अट्ठाईस फीसद हमले हुए। मोबाइल उपयोग करने वालों के लिए यह खतरे की घंटी है, तो दूरसंचार कंपनियों और मोबाइल निमार्ताओं के लिए चेतावनी भी। उन्हें बढ़ते साइबर खतरों के बीच अब सुरक्षा उपाय के लिए नए कदम उठाने होंगे। अंतरजाल की दुनिया में आंख मूंद कर किसी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जरा-सी लापरवाही मुसीबत में डाल देती है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत इसलिए भी है, क्योंकि आज के दौर में सभी गतिविधियां मोबाइल, लैपटाप अथवा कंप्यूटर में केंद्रित हो गई है। लोग अपने से संबंधित कई संवेदनशील जानकारियां मोबाइल में रखते हैं। एक रपट के अनुसार, वास्तविक बैंकिंग वेबसाइट की हूबहू नकल वाली वेबसाइट तैयार कर ग्राहकों को भ्रमित किया जाता है। किसी अनजान लिंक पर पहुंचते ही साजिशों की घेराबंदी शुरू हो जाती है। मोबाइल ह्यस्पाइवेयरह्ल से भी सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि यह उपभोक्ताओं की निजी जानकारियां गुप्त तरीके से चुरा लेता है। सबसे बड़ा खतरा वित्तीय धोखाधड़ी का है। आज जब पूरी बैंकिंग मोबाइल में सिमट गई है, तो ऐसे में यह सेंधमारी किसी को कभी भी संकट में डाल सकती है। कई बार लोग कुछ ऐप डाउनलोड कर लेते हैं। ताजा रपट में आगाह किया गया है कि कोई दो सौ से अधिक ऐप सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक हैं। ऐसे में लोगों की सजगता ही सुरक्षा की दीवार साबित हो सकती है, मगर सरकार को भी एक ठोस तंत्र बनाने की जरूरत है।

किसानों को बार-बार दिल्ली कूच क्यों करना पड़ता है?

किसान संगठन अपनी मांगों को लेकर तीसरी बार देश की राजधानी दिल्ली की ओर कूच कर रहे हैं। हालांकि दिल्ली कूच के पहले ही आंदोलनकारी किसान संगठनों में फूट पड़ गई है। उधर केन्द्र व भाजपाशासित राज्य सरकारें किसान आंदोलन को राजनीति से प्रेरित मानकर खारिज करती रही हैं तो किसानों का मानना है कि सरकार उनकी मांगों को मानना ही नहीं चाहती। देश की राजधानी में तीसरी बार हो रहे, इस किसान आंदोलन के औचित्य को लेकर पहले भी कई सवाल उठते रहे हैं, लेकिन हाल में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री से जवाब तलब कर नई सनसनी फैला दी कि किसानों की मांगों को लेकर आखिर सरकार कर क्या रही है? मुंबई में केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के शताब्दी समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान संकट में है और आंदोलन कर रहे हैं। यह स्थिति देश के लिए अच्छी नहीं है। सरकार को आत्मावलोकन की जरूरत है। क्या किसानों से कोई वादा किया गया था? क्या वह पूरा नहीं हुआ? इसी कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान भी मौजूद थे। किसान आंदोलन के पीछे कौन से तत्व हैं, इसे समझने के साथ साथ इस बात का विश्लेषण भी जरूरी है कि किसान जो मांगे लगातार करते आ रहे हैं, उनका स्थायी समाधानकारक हल क्यों नहीं होता और यह भी क्या इस तरह तकरीबन हर साल किसानों का आंदोलन करना सुनियोजित एजेंडे का हिस्सा बन चुका है? देश में किसान आंदोलन की शुरूआत 2020 में कोरोना प्रकोप के दौरान ही मोदी सरकार द्वारा लागू तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुई थी। यह देश में अब तक का सबसे लंबा चला आंदोलन था। नतीजा यह हुआ कि मोदी सरकार को कृषि कानून वापस लेने पड़े। हालांकि सरकार का एक कदम पीछे खींचना राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के लिए फायदेमंद ही साबित हुआ, क्योंकि इसने कृषि कानून विरोधी आंदोलन की धार को ही कुंद कर दिया। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं था कि किसानों की सारी समस्याओं का समाधान हो गया है। दरअसल, किसानों की जायज समस्याएं और उनका निदान ऐसे आंदोलनों तथा उस पर होने वाली राजनीति के धुंध में खो जाता है। किसानों का हफ्तों धरने पर बैठना, रास्ते रोकना, आंदोलन का किसानों की आंतरिक राजनीति का शिकार होना, सत्तापक्ष और विपक्षी सरकारों द्वारा इसका ट्रीटमेंट अपने अपने राजनीतिक हितों के नजरिए से करना, एक आम और गरीब किसान का ऐसे आंदोलनों से दूर ही रहना, प्रशासन द्वारा आंदोलनकारी किसानों से कभी नरमी तो कभी सख्ती से निपटना, केन्द्र सरकार द्वारा इस तरह के आंदोलन को प्रायोजित मानकर इसकी उपेक्षा करना, इन किसान आंदोलन के स्थायी बिंदु बन चुके हैं। सवाल यह भी उठते रहे हैं कि खेती के मौसम में किसान इतनी लंबी अवधि तक धरने पर कैसे बैठे रह सकते हैं? उनके आंदोलन का हिस्सा बनने पर खेती का काम कौन संभालता है? आंदोलन के चलते अगर खेती पर ध्यान न दिया तो उससे होने वाला नुकसान एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीदी नहीं होने से होने वाली हानि की तुलना में अधिक नहीं है? इसी के साथ यह सवाल भी जुड़ा है कि किसान को लगातार मुश्किल में डालकर सरकार आर्थिकी को बुलेट की रफ्तार से आगे कैसे ले जाएगी? ऐसा नहीं है कि सरकार ने किसानों की कोई मांग नहीं मानी हो, लेकिन देश में किसी एक वर्ग को ही सर्वस्व मानकर उसे संतुष्ट करने की राह पर तो कोई सरकार आगे नहीं बढ़ सकती। इस समूची व्यवस्था का किसान एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं, इससे इंकार नहीं, लेकिन किसान और वो साधन सम्पन्न किसान ही सब कुछ हों, ऐसा भी नहीं है। ऐसा लगता है कि तीन विवादित कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसान आंदोलन अपने ही अंतर्विरोधों का शिकार ज्यादा हो गया है। इस बार भी 40 किसानों के छाता संगठन संयुक्त किसान मोर्चे (एसकेएम) ने किसान आंदोलन से दूरी बना ली है। उसका कहना है कि जो कुछ हो रहा है, इसमें उनकी राय नहीं ली गई है। इसी तरह किसान नेता राकेश टिकैत भी इस आंदोलन से दूर है। हरियाणा के किसान संगठनों ने भी अपने हाथ खींच लिए हैं। हालांकि इस बार भी किसानों की मुख्य मांग फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की है। आंदोलनकारी किसानों की एक बड़ी समस्या, इस आंदोलन की ताकत का राजनीतिक रुपातंरण न होने की है। मोदी सरकार और भाजपा आंदोलन की इस कमजोरी से वाकिफ हैं।

क्या किसानों से कोई वादा किया गया था? क्या वह पूरा नहीं हुआ? इसी कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान भी मौजूद थे। किसान आंदोलन के पीछे कौन से तत्व हैं, इसे समझने के साथ साथ इस बात का विश्लेषण भी जरूरी है कि किसान जो मांगे लगातार करते आ रहे हैं।

सुख समृद्धि का आधार है गीता

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री
अधिष्ठाता
श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ

कलिकाल के इस भौतिक युग में प्रत्येक प्राणी किसी न किसी प्रकार की आधि व्याधि से ग्रस्त है। यह कलियुग का ही प्रभाव है कि ईश्वर में अनास्था, अनुचित खानपान, अनुचित व्यवहार और अनुचित आचरण के कारण समाज में हर स्तर पर भ्रष्टाचार दिनोदिन बढ़ रहा है। अंधी दौड़ में गलाकाट स्पर्धा से सभी एक दूसरे से आगे निकलने के लिए कर्मशुचिता से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में मानव का दुख के गर्त में गिरना निश्चित है। प्राणी मात्र की मानसिक, आत्मिक और शारीरिक शुचिता के लिए ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश के बहाने से समस्त शास्त्रों के सार स्वरूप गीता के ज्ञान से हमें अवगत कराया है, जो निश्चय ही समस्त सुख समृद्धि का आधार है।

गीता समस्त शास्त्रों का सार है। इसीलिए इसे सर्वशास्त्रमयी भी कहा जाता है। भारतीय मनीषा को समझने के लिए वेद को जानना आवश्यक है और वेद को समझने के लिए शिक्षा, कल्प, निरुक्त, व्याकरण, ज्योतिष, छंद आदि वेदांग व सांख्य, न्याय, योग, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, उत्तरमीमांसा आदि उपांग के साथ ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक, उपनिषद और अनेक अध्यात्म ग्रंथों का अध्ययन करना होगा, जिसके लिए एक जन्म तो निश्चय ही कम पड़ेगा। लेकिन यदि मात्र गीता को पढ़कर ही हृदयंगम कर लिया जाए तो मानव समस्त शास्त्र का ज्ञाता हो जाता है और दैहिक, दैविक, भौतिक आदि त्रिविध तापों से मुक्त हो जाता है। गीता केवल ज्ञान और योग की ही विषयवस्तु नहीं, यह मानव कल्याण के प्रत्येक पहलू को आत्मसात किए हुए है। संसार के समस्त ज्ञान को एकत्र कर गीता रूपी गागर में स्थापित करने वाले भगवान श्री कृष्ण स्वयं कहते हैं कि

इमं विवस्वते योगं प्रोक्तवानहमव्ययम।
एवं परम्पराप्राप्तमिमं राजर्षयो विदुः॥
(गीता 4/1-2)

अर्थात वैसे तो यह ज्ञान अनादि काल से उपदेशित है, लेकिन गीता रूप में यह आज मेरे द्वारा प्रगट हुआ है।

प्रागैतिहासिक दृष्टि से देखते हैं तो गीता आज से लगभग 5151 वर्ष पूर्व महर्षि वेदव्यास कृत महाभारत के भीष्म पर्व के पच्चीसवें अध्याय के प्रारंभ में संजय के द्वारा धृतराष्ट्र को सुनाया गया वह भाग है, जिसमें कलियुग के प्रारंभ होने के तीस वर्ष पूर्व मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन के नन्दीघोष नामक रथ पर सारथी के रूप में विराजमान स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा मोहग्रस्त युद्धविमुख अर्जुन को उपदेशित किया गया है। इसी दिन को हम गीता जयन्ती के रूप में मनाते हैं। गीता के पहले अध्याय के बीसवें श्लोक से संजय भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद रूप में श्रीमद् गीता का आरंभ करते हैं और अठारहवें अध्याय के चौहत्तरवें श्लोक में इति पद से इसका समापन करते हैं।

श्रीमद्भगवद् गीता में 18 अध्याय हैं, जो अर्जुनविषादयोग, सांख्ययोग, कर्मयोग, ज्ञानकर्मसंन्यासयोग, कर्मसंन्यासयोग, आत्मसंयमयोग, ज्ञानविज्ञानयोग, अक्षरब्रह्मयोग, राजविद्याराजगुह्ययोग, विभूतियोग, विश्वरूपदर्शनयोग, भक्तियोग, क्षेत्र-क्षेत्रज्ञविभागयोग, गुणत्रयविभागयोग, पुरुषोत्तमयोग, दैवासुरसम्पद्विभागयोग, श्रद्धात्रयविभागयोग और मोक्षसंन्यासयोग के नाम से प्रसिद्ध हैं। सभी अध्यायों में प्रवृत्ति तथा प्रकृति में सामंजस्य स्थापित कर निष्काम भाव से कर्म करने की प्रेरणा दी गई है। निष्काम भाव से किया गया कर्म ही भगवत प्राप्ति का कारक कहा गया है। ईश्वर की उपासना के सकाम एवं निष्काम दो भाव बताए गए हैं। दोनों का फल प्राणी को अपने भाव के अनुरूप ही प्राप्त होता है, लेकिन भावना के अनुसार दोनों के फलों में भिन्नता भी होती है। सकाम भाव के भक्त को जहां सांसारिक भोग एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है, वहीं निष्काम भाव से भक्ति करने वाला ईश्वरीय सत्ता का अधिकारी परमात्म तत्व को प्राप्त होता है। सांसारिक सुख तो समय सीमा से बंधे है, जिनका नष्ट होना निर्धारित है, किन्तु मोक्ष सुख तो समस्त कर्मों के क्षय होने के पश्चात ही प्राप्त होता है। यही सच्चिदानंदस्वरूप है और यही एकमात्र मानव जीवन का परम लक्ष्य है।

वस्तुतःगीता का उपदेश भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से समस्त जीवों के आत्म कल्याण के लिये ही किया है। आत्मतत्व की दृष्टि से संसार के सभी प्राणी एक समान हैं। इनमें न तो कोई छोटा है न बड़ा। हाथी से चींटी तक सभी बराबर हैं। न कोई कोई श्रेष्ठ है और न कोई हीन। न कोई ब्राह्मण है और न ही शूद्र। समस्त भेदों से परे तथा हानि लाभ, जीवन मरण, यश-अपयश, सुख दुख आदि सभी स्थितियों से ऊपर आत्मतत्व का स्वरूप होता है। जो इन सभी परिस्थितियों में समभाव से उस परमतत्व का ध्यान करता है, उसी में रमण करता है, वही परमात्मा को प्राप्त करता है। गीता के सत्य, ज्ञानपूर्ण व गंभीर उपदेश, आत्मसात करने वाले मनुष्य को महापतित दशा से उठाकर देवताओं के स्थान पर बैठाने की शक्ति रखते हैं। समस्त सृष्टि में जो ज्ञेय है अथवा अज्ञेय है, प्रतीति है या अनुभव से परे है, वह सब माया है। समस्त चराचर में परमात्मा ही विद्यमान है। पुनरपि वह निर्लिप्त है। वह केवल द्रष्टा है। मार्गदर्शक है और सुख दुख हर्ष विषाद आदि से परे है। वहीं संसार के सभी प्राणी अपने अपने कर्मों के अनुसार सुख या दुख पाते हैं। अपने भीतर होने वाली सभी प्रवृत्तियों का कर्ता, हर्ता एवं नियन्ता प्राणी स्वयं ही है। इसीलिए यह संसार सुख दुख, हानि लाभ, हर्ष विषाद आदि से भरा पड़ा है। जहां जीव को सृष्टि के अटल नियम के अनुसार अपने अपने कर्म का फल भोगना होता है। यही गीता का सार है।

संसार में किसी भी ग्रंथ की जयंती नहीं मनाई जाती, केवल गीता जयंती मनाने की परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है क्योंकि अन्य ग्रंथ किसी मनुष्य द्वारा लिखे या संकलित किए गए हैं, जबकि गीता स्वयं श्रीभगवान के श्रीमुख से निःसृत है-

या स्वयं पद्मनाभस्य
मुखपद्माद्विनिःसृता।।

इसलिए इस ग्रंथ में कहीं भी श्रीकृष्ण उवाच शब्द नहीं आया है। जब श्रीकृष्ण बोलते हैं तो श्रीभगवानुवाच का प्रयोग किया गया है। कलियुग के प्रभाव के कारण धर्म लोप की अवस्था में अज्ञान तिमिर से मुक्त करने वाला ग्रंथ केवल गीता ही है। क्यों कि शास्त्र कहते हैं कि कलि प्रभाव से न तो अब अवतार होंगे, न ही सिद्धियां होंगी, साधुता और तपस्विता के भी दर्शन नहीं होंगे और प्रजापरायण नीतिवान, परोपकारी राजा भी नहीं होंगे। अनाचार अपने चरम पर होगा। ऐसे में आत्मकल्याण का एक ही मार्ग बचता है और वह है गीता ज्ञान।

श्रीमद्भगवद्गीता जीवन में सफलता की कुंजी है। न सिर्फ विद्वानों ने, बल्कि विश्व के अनेक सफल व्यक्तियों ने श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व को समझा है और उससे प्रेरणा भी ग्रहण की है। स्वामी विवेकानंद ने गीता को अपने जीवन व्यवहार में उतारा था। स्वामी कल्याण देव ने शिक्षा की अलख जगाने में गीता को ही चरितार्थ किया था। गीता जीवन के गूढ़ रहस्यों को सुलझाती है। गीता की उपयोगिता इसी बात से देखी जा सकती है कि हजारों वर्ष पश्चात भी इसकी प्रासंगिकता यथावत है। क्योंकि उस समय की समस्याएं और परिस्थितियां आज भी विद्यमान हैं। आज के इस जीवन संघर्ष में तो गीता की उपयोगिता व प्रासंगिकता और अधिक हो गई है, क्योंकि यह अध्यात्म भी है और व्यावहारिक होने के कारण विज्ञान भी। गीता का आध्यात्मिक तत्व यह है कि यह संसार एक युद्धस्थल है, जिसमें प्रत्येक प्राणी सत्य और श्रेष्ठता के लिए किसी न किसी रूप में बुराइयों से युद्धरत है। कौरव बुराइयों और पांडव अच्छाइयों के प्रतीक हैं। गीता का संदेश है कि यदि अपने कर्म में निरंतर रत रहा जाए और संघर्ष निरंतर रखा जाए, तो अंत में विजय अच्छाइयों की ही होती है। वेदों के विस्तारकर्ता, पुराणों और महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यास कहते हैं कि गीता का ध्यान के साथ श्रवण और पठन-पाठन करने व इसकी प्रत्येक पंक्ति का मनन करने से आत्मतत्व की प्राप्ति होती है। जीवन के रहस्यों को सुलझाने में गीता के अध्येता को शास्त्रसंग्रह की कोई आवश्यकता नहीं रहती है। श्रीकृष्ण के मुख से प्रगट गीता में संसार की सभी समस्याओं का समाधान निहित है।

(लेखक : राष्ट्रीय ज्योतिष परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

संविधान की दिवस की रस्मी अदायगी से नहीं बदलेगी हकीकत

26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान पारित किया गया और अपनाया गया। इस दिन को संविधान दिवस या राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में जाना जाता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि भारत का संविधान व्यावहारिक, लचीला, और मजबूत है। संविधान में हर समस्या का समाधान है। संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। इसके बावजूद आजादी के बाद से केंद्र हो या राज्यों की सरकारें, सभी ने संविधान में मौजूद कानूनों को अपने राजनीतिक फायदों के लिए इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। राजनीतिक दलों की सत्ता लोलुपता के कारण संविधान काफी हद तक कानून का पुलंदा बन कर रह गया। राजनीतिक दलों की मनमानी का आलम ही है कि देश आज भी गरीबी, असमानता, अपराध, जनसंख्या बढ़ोतरी, पर्यावरणीय समस्या और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है।

संविधान का दुरुपयोग केंद्र में हर दल की सरकार ने करने की भरसक कोशिश की है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपात्तकाल लगा दिया। संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने का ऐसा मंजर भारत में कभी देखने को नहीं मिला। इसके बाद केंद्र में लंबे अर्से तक शासन में रही कांग्रेस की सरकार ने संविधान के दुरुपयोग में कोई कसर बाकी नहीं रखी। राज्यों की सरकारों को बर्खास्त करने के लिए आर्टिकल 356 का जमकर दुरुपयोग किया गया। इंदिरा गांधी ने आर्टिकल 356 का 50 बार दुरुपयोग किया। श्रीमती गांधी ने विपक्षी और क्षेत्रीय दलों की सरकारों को गिरा दिया। केरल में वामपंथी सरकार चुनी गई, जिसे नेहरू पसंद नहीं करते थे, उसे गिरा दिया गया। करुणानिधि जैसे दिग्गजों की सरकारें गिरा दी गईं। कुल 90 बार चुनी हुई सरकारों को गिराया गया। कांग्रेस सरकार ने डीएमके और वामपंथी सरकारों को गिराया। बदनियति से संविधान के कानूनों को अपनी सुविधा के हिसाब से बदलने और लागू करने का काम सिर्फ कांग्रेस ने ही नहीं किया, बल्कि केंद्र में शासन में आने के बाद भाजपा भी इसमें पीछे नहीं रही। सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में संविधान के 99वें संशोधन और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए इसे निरस्त कर दिया और उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए पुरानी कॉलेजियम प्रणाली को बहाल कर दिया। देश के लोगों की सोशल मीडिया के जरिए अभिव्यक्ति और असहमति के अधिकार को केंद्र और राज्यों के कुचलने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने नाकाम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा ६६ ए को असंवैधानिक करार दिया। अदालत ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों और गृह सचिवों को यह सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए कि सभी लंबित मामलों से धारा ६६ ए का संदर्भ हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि प्रकाशित आईटी अधिनियम के बेयरएक्ट्स को पाठकों को पर्याप्त रूप से सूचित करना चाहिए कि धारा 66 ए को अमान्य कर दिया गया है। इस धारा में यह प्रावधान था कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, उत्तेजक या भावनाएं भड़काने वाली सामग्री डालने पर व्यक्ति को गिरफ्तारी किया जा सकता है, लेकिन शीर्ष अदालत ने इस कानून को संविधान के अनुच्छेद 19.1.ए के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार के खिलाफ बताकर निरस्त कर दिया था। आरक्षण को लेकर सभी राजनीतिक दल वोटों की राजनीतिक करते रहे हैं। आरक्षण के सही प्रावधानों को लागू करने में भी नेताओं को वोटों का डर सताता रहा है। यही वजह रही है कि आरक्षण के फायदे-नुकसान पर कोई दल किसी तरह की चर्चा तक करने को तैयार नहीं होता। आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों ने संविधान से छेड़छाड़ करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कोटे में कोटा दिए जाने को मंजूरी दी थी। उस दौरान कोर्ट ने कहा था कि एससी-एसटी कैटेगरी के भीतर नई सब कैटेगरी बना सकते हैं और इसके तहत अति पिछड़े तबके को अलग से रिजर्वेशन दे सकते हैं। इसको लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से संसद भवन में 100 दलित सांसद मिले। इसके बाद केंद्र ने इसकी घोषणा भी कर दी कि जरूरत पड़ी तो संसद में विधेयक लाया जाएगा, पर आरक्षण के मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव मंजूर नहीं होगा। हालांकि तमिलनाडु और कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट के कोटे में कोटा के निर्णय पर अमल का फैसला किया। इतना ही नहीं संविधान से इतर जाकर राज्यों की सरकारों ने भी वोटों की राजनीति के लिए आरक्षण को हथियार बनाने के प्रयासों में कसर बाकी नहीं रखी।

अक्षरबोधि न होने पर भी पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी ने किया, भगवान राम के दिव्य जीवन का साक्षात वर्णन

भगवान राम की दिव्यता में माता कौशल्या का तप

डॉ. कृष्ण अवतार त्यागी

27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर- सलेमाबाद में, एक विशेष बालक का जन्म हुआ जो बचपन से ही जब भी यह बालक सीधा, श्वासन की मुद्रा में लेट जाता या लिटा दिया जाता, तो उसकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में अक्षर बोध भी न करने वाला ग्रामीण बालक, उसके मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ। कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं क्रमिक रूप से माता कौशल्या का दिव्य और तपस्वी जीवन)

कौशल्या द्वारा राष्ट्रीय अन्न-त्याग

माता कौशल्या का यह नियम था कि वे स्वयं कला कौशल करती और उसके द्वारा जो द्रव्य आता, उसको स्वयं ग्रहण करती। उसने संकल्प धारण किया था, जो कि मै राष्ट्र का कोई अन्न ग्रहण करना चाहती, क्योंकि राष्ट्र में आकर ऊंचे बालक को उसी काल में जन्म दे सकती हूँ। जब मेरे मन की प्रवृतियां पुरुषार्थी होंगी, महान होंगी पवित्र होंगी और अन्न की जो प्रतिभा है, वह ऊंची होगी, और अन्न की जो प्रतिभा है वह ऊंची होगी, क्यांकि अन्न से मन की प्रतिभा उत्पन्न होती है। माता कौशल्या का यही नियम था, कि वे स्वयं कला-कौशल करती और उसके द्वारा जो द्रव्य आता उसक ग्रहण करके सन्तुष्ट रहती।

जब माता कौशल्या के हृदय में यह धारण बनी कि मै गर्भ से जिस शिशु को जन्म दूंगी तो वह महान होना चाहिये, तो माता कौशल्या सोमलता को भंयकर वनो से लाती और उसका पान करती। अणिमा से उसका खरल करती रहती। खरल करते करते उसके हृदय में जो पुरातत नाम की नाड़ी है, जिसका समन्वय बाल्य के शिशु के हृदय से होता है उससे, उसमें उसकी तरंगे जा जा करके बालक की पुरातत नाम की नाड़ी से समन्वय हो करके, उस नाड़ी का समन्वय मस्तिष्क से होता हुआ, हृदय अगम्यता को प्राप्त होता रहा है।

वह माता अपने में विचित्रता को अनुभव करती रही है। उसके हृदय में जो शिशु विद्यमान है, वह महान पवित्रत्व को प्राप्त होता रहा है। (प्रवचन सन्दर्भ 17-02-1991)

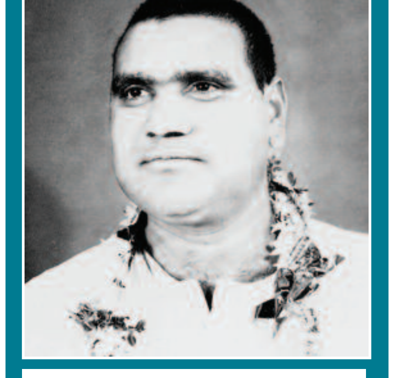

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

गर्भवती कौशल्या स्वाध्याय के लिए शृंगी-आश्रम में

जब माता कौशल्या के गर्भस्थल में आत्मा विद्यमान थी, राम जैसा शिशु विद्यमान था तो माता कौशल्या ने अपने मन में यह विचारा कि मुझे क्या करना है अंगिरस गोत्र में एक ऋषि थे, उनके द्वार पर पंहुची। उन्होने कहा कि-ऋषिवर ! आपने मेरा पुत्रेष्टि याग किया और मेरे गर्भस्थल में शिशु का प्रवेश हो गयाहै, अब मै क्या करूं? उन्होंने कहा किमहर्षि शृङ्गी से उनके द्वार पर जाकर यह प्रश्न करो। मै इस सम्बन्ध में इतना नही जानता हूँ, उन्होंने ऋषि के द्वार पर जाकर यह प्रश्न किया, तो उन्होंने कहा कि हे दिव्या !

तुम्हें अपने गर्भ के शिशु को कैसा बनाना है? तुम त्याग तपस्या वाले अन्न को ग्रहण करो। त्याग-तपस्या वाला अन्न वह है, कि जिन विचारों से तुम अन्न को भोजानलय में तपाओगे, उन्ही विचारों का वह अन्नाद होगा। उसको तपा करके पान किया जाये, उसी से माता के गर्भस्थल में पिण्ड का निर्माण होता है।(प्रवचन सन्दर्भ 08-02-1991)

माता कौशल्या शृंगी से बोली हे प्रभु ! मेरे गर्भ में तृतीय माह के बाल्य वृतियों में प्राप्त हो गया है। हे प्रभु ! मुझे कोई उदगीत गाइये, कयोंकि मेरा मस्तिष्क तो उस आहार से पवित्र बन गया है। प्रभु ! मै जानना चाहती हूँ कि अब मैं क्या करूं? उन्होंने कहा- यह तो तुम्हारा प्राण है इस प्राण को तुम व्यान में प्रवेश कर दो और व्यान को समान में प्रवेश कर दो और समान प्राण को उदान में परिणित करते हुए तुम वहां चित्त के मण्डल का दर्शन करो और चित्त मण्डलके दर्शन करते हुए वह जो तुम्हारे गर्भ स्थल में शिशु पनप रहा है। चतुर्थ माह में उस आत्मा से तुम वार्ता प्रगट कर सकती हो। उस समय ये युक्तियां देवी को परिणित करा दी। माता कौशल्या ने कहा -प्रभु ! धन्य है। पन्द्रह दिवस ऋषि के आश्रम में उन्होने प्राण विद्या को जाना, क्रमशः......

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति

नागालैंड साहित्य महोत्सव में जुटेंगे देश- विदेश के साहित्यकार

पंडित सुरेश नीरव

डॉ अनिल सुलभ

केशव राय

डॉ राधा बिष्ट

पी. ताकालीला

साहित्यिक परिशिष्ट का शुभारंभ

आत्मीय पाठको!!
आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि हम बहुत जल्दी ही अपने समाचार पत्र में एक साहित्यिक परिशिष्ट संवाद नाम से प्रारंभ करने जा रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इस परिशिष्ट के संपादकीय सहयोग देने के लिए मैक्समूलर सम्मान से अलंकृत अंतर्राष्ट्रीय ख्यात साहित्यकार एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव ने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। हम उनके आभारी हैं और जल्दी ही जनोपयोगी सार्थक साहित्यिक सामग्री के साथ अपने पाठकों से रूबरू होंगे।

-संपादक
यूपी ऑब्जर्वर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- बिहार साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ करेंगे उद्घाटन।

महोत्सव के मुख्य आकर्षण

- जर्मनी के मैक्समूलर पुरस्कार से अलंकृत पंडित सुरेश नीरव होंगे समारोह के अध्यक्ष।
- विश्व हिंदी अकादमी के अध्यक्ष केशव राय होंगे विशिष्ट अतिथि।
- जर्मनी से प्रवासी कवयित्री डॉ राधा बिष्ट होंगी विशिष्ट अतिथि।
- नागालैंड की शिक्षाविद् पी. ताकालीला होंगी समारोह संयोजक।

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति देश की एक मात्र ऐसी साहित्यिक संस्था है जिसने 1680 दिन से निर्बाध नियमित कार्यक्रमों का प्रसारण कर तथा 16 प्लेटिनम मनाकर एक विश्व कीर्तिमान बनाया है तथा संस्था ने देश के विभिन्न प्रांतों के अलावा विदेश में भी अपने राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किये हैं।

संस्था के ग्लोबल अध्यक्ष प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव ने बताया है कि समिति अब अपना आगामी 21 वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 19/20/21 दिसम्बर को राष्ट्रीय भाषा हिंदी संस्थान, हिंदी नगर,पद्म पुखरी, दीमापुर, नागालैंड में आयोजित करने जा रही है।

उल्लेखनीय है कि नागालैंड का यह प्रतिष्ठित संस्थान हिंदी के मूर्धन्य साहित्यकार पद्मश्री पी. तेमजेन जमीर द्वारा स्थापित किया गया है जिन्हें लोग सम्मान से नागालैंड का गांधी कहते हैं। वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को समर्पित इस तीन दिवसीय अधिवेशन में प्रथम दिवस सांस्कृतिक परिचय कार्यक्रम/ दूसरे दिन पुस्तक प्रदर्शनी/ पुस्तक लोकार्पण/ सम्मान समारोह के अलावा अखिल भारतीय कविसम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागी रचनाकार कविता पाठ करेंगे। अधिवेशन का तीसरा दिन शैक्षिक पर्यटन को समर्पित रहेगा।

उल्लेखनीय है कि बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ करेंगे समारोह का उद्घाटन। प्रवासी कवयित्री रूस से वॉयस ऑफ मॉस्को की चेअरपर्सन, फिल्म निमार्ता निर्देशक और प्रतिष्ठित चिंतक कवयित्री श्वेता सिंह 'उमा' इस साहित्य महोत्सव में मुख्य अतिथि तथा नागालैंड की सुप्रसिद्ध शिक्षा शिक्षाविद् पी. ताकालीला विशिष्ट अतिथि होंगी। साहित्य महोत्सव की अध्यक्षता प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव होंगे।

नागालैंड साहित्य महोत्सव में प्रतिभाग कर रहे साहित्यकारों में उल्लेखनीय हैं- सर्वश्री केशव राय (मुंबई), डॉ रत्नेश्वर सिंह, ऋषि सिन्हा (पटना), राशदादा राश, पूजा 'राज' (बेंगलुरु), सुभाष चंद्र सैनी, सुमन सैनी (देहरादून) अजय कुलश्रेष्ठ 'अजेय', डॉ रश्मि कुलश्रेष्ठ (कानपुर), प्रदीप भट्ट (मेरठ), डॉ धर्मेन्द्र सिंह धरम(मैनपुरी), मधु मिश्रा (गौतम बुद्ध नगर), विनय कुमार, सरोजिनी चौधरी (गुरुग्राम), नीरज नैथानी (देहरादून), शशि प्रेमदेव (बलिया) धीरेन्द्र रांगण (ऋषिकेश), विमल बहुगुणा (श्रीनगर), श्यामल मजूमदार (लखनऊ), मधुसूदन थपलियाल, शम्भू प्रसाद भट्ट स्नेहिल, देवेन्द्र उनियाल, राजेन्द्र प्रसाद कपरवा, अजय चौधरी (श्रीनगर) श्वेता सिंह 'उमा' (रूस), विश्व हिंदी अकादमी के अध्यक्ष केशव राय (मुंबई) तथा समकालीन चौथी दुनिया के संपादक प्रवीण चौहान (दिल्ली) के नाम उल्लेखनीय हैं।

स्टीलकेस ने टर्नस्टैण्ड प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में नोएडा में एक नया डीलर शोरूम लॉन्च किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। कार्यस्थल के डिजाइन और इनोवेशन में अग्रणी कंपनी स्टीलकेस ने टर्नस्टैंड प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से नोएडा में अपना नया डीलर शोरूम लॉन्च किया है। यह नया शोरूम, प्लॉट नंबर 20 सेक्टर 127 नोएडा में स्थित है' उत्तर भारत में स्टीलकेस की उपस्थिति को और मजबूती प्रदान करता है। काम करने के लिए नये डिजाइनों की तलाश कर रहे व्यवसायों के लिए यह शोरूम एक प्रमुख केंद्र बनेगा। स्टीलकेस डीलर नेटवर्क उन विशेषज्ञों का एक समुदाय है जो स्थानीय कंपनियों को अत्याधुनिक और प्रभावी कार्यस्थल डिजाइन करने में मदद करता है।

यह नया शोरूम स्टीलकेस के वैश्विक अनुभव और नवाचारों का लाभ उठाकर इस क्षेत्र के व्यवसायों के लिए आधुनिक समाधान प्रस्तुत करेगा। यह साझेदारी स्टीलकेस की भारत में निवेश बढ़ाने और देशभर में अपनी पहुंच को मजबूत करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में स्टीलकेस के पास चार वर्कलाइफ सेंटर और दस से अधिक डीलर शोरूम हैं, जो इसे भारतीय बाजार में एक मजबूत उपस्थिति प्रदान करते हैं। भारत और सार्क में स्टीलकेस के प्रबंध निदेशक तीर्थांकर बसु ने नोएडा में नए शोरूम के शुभारंभ पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा की नोएडा और एनसीआर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह टर्नस्टैंड के साथ हमारी साझेदारी का नतीजा है, जो ग्राहकों पर केंद्रित हमारे साझा मूल्यों को दशार्ता है। इसका उद्देश्य ग्राहकों और उपयोगकताओं के लिए बेहतरीन अनुभव सुनिश्चित करना है। भारत हमारे लिए एक बेहद खास और संभावनाओं से भरा बाजार है।

नोएडा में स्टार्टअप्स और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक संस्थानों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) मौजूद है, जिससे इस क्षेत्र में हमारे लिए पर्याप्त अवसर हैं। हमारा यह नया स्थान सिर्फ एक शोरूम नहीं, बल्कि नवाचार, उत्कृष्ट ग्राहक सेवा और अद्वितीय अनुभवों का केंद्र है। हमें विश्वास है कि यह हमारे ग्राहकों और समुदाय के साथ लंबे और मजबूत रिश्ते बनाने में मदद करेगा और उद्योग में नए मानक स्थापित करेगा। टर्नस्टैंड प्राइवेट लिमिटेड के नए शोरूम में स्टीलकेस के विश्व-स्तरीय ऑफिस फर्नीचर और एक्सेसरीज का शानदार कलेक्शन पेश किया गया है, जिसे आधुनिक कार्यस्थलों की उत्पादकता, आराम और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है।

इस शोरूम में स्टीलकेस की नवीनतम और उन्नत पेशकशें देखने को मिलेंगी, जिनमें थिंक, जेस्चर और स्टीलकेस कार्मेन टास्क चेयर्स, बहुउपयोगी वर्कस्टेशन्स, और लेक्सको, माइग्रेशन एसई प्रो, फ्लेक्सकलेक्शन और वर्कवालेट जैसे सहकार्य के लिए बनाए गए फर्नीचर शामिल हैं। ग्राहक यहां स्टीलकेस के व्यापक पोर्टफोलियो के साथ-साथ उनके पार्टनर प्रोडक्ट्स का भी अनुभव ले सकते हैं। इनमें विश्व प्रसिद्ध डिजाइनर्स और अग्रणी ब्रांड्स जैसे ओरेंजबॉक्स, वेंडेलबो, विकार्बे, एम.ए.डी., और सेजिस के प्रोडक्ट्स शामिल हैं। यह शोरूम ग्राहकों को उनकी जरूरतों के मुताबिक ऑफिस स्पेस को आधुनिक और कार्यक्षम बनाने के लिए ढेरों विकल्प प्रदान करता है। टर्नस्टैंड प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर्स विकास श्रीवास्तव और श्वेता श्रीवास्तव ने अपनी भागीदारी पर खुशी जताते हुए कहा की स्टीलकेस के साथ हमारी साझेदारी और हमारे दशकों के अनुभव के जरिए, हम ऑफिस स्पेस को नए अंदाज में परिभाषित करने के लिए तैयार हैं। हमारे विश्व-स्तरीय समाधान केवल बेहतर माहौल बनाने के लिए नहीं हैं, बल्कि वे उन व्यवसायों के लिए जरूरी भी हैं जो उत्पादकता और विकास चाहते हैं।

हर व्यवसाय को ऐसा कार्यस्थल मिलना चाहिए जो उनकी सफलता को बढ़ावा दे, और हम इसे हकीकत में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शोरूम 6 दिसंबर को आधिकारिक तौर पर खुला है और हर किसी को आमंत्रित किया जा रहा है कि वे यहां आकर वर्कप्लेस डिजाइन और इनोवेशन में हो रही नई खोजों का अनुभव लें।

एफडीपी में डिजाइन थिंकिंग के माध्यम से समस्याओं के समाधान पर चर्चा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज आईएमएस नोएडा में 5 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन हुआ। सोमवार से शुक्रवार तक आयोजित इस कार्यक्रम में डिजाइन थिंकिंग के माध्यम से समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को रचनात्मक सोच और नवाचार के माध्यम से जटिल समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सोमवार को एफडीपी की शुरूआत आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने शिक्षकों के स्वागत भाषण से किया। डिजाइन थिंकिंग की प्रासंगिकता और शिक्षा क्षेत्र में इसके बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि डिजाइन थिंकिंग केवल तकनीकी समस्याओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और शैक्षिक मुद्दों के समाधान में भी एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान, शिक्षकों ने नए दृष्टिकोण एवं तकनीकों का उपयोग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर अपना विचार व्यक्त किए। उन्होंने क्लास रूम में छात्रों की कम भागीदारी, पाठ्यक्रम की रोचकता एवं प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग जैसे मुद्दों पर नवाचार आधारित समाधान प्रस्तुत किए। एफडीपी के विषय विशेषज्ञ और प्रशिक्षक ने डिजाइन थिंकिंग के विभिन्न चरणों पर अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें समस्याओं की पहचान, सहानुभूति, विचार-प्रक्रिया, प्रोटोटाइप निर्माण, और परीक्षण जैसे विषयों पर व्याख्यान और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए। वहीं प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित कर केस स्टडी एवं इंटरएक्टिव वर्कशॉप के माध्यम से अपनी समस्या-समाधान क्षमता को परखने और सुधारने का अवसर मिला। वहीं आईएमएस द्वारा आयोजित एफडीपी के संयोजक प्रो. राहुल पांडेय ने बताया कि संस्थान की ओर से 5-5 दिनों के दो सत्रों में एफडीपी का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को प्रथम सत्र के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरण किए गए। उन्होंने कहा कि हम शिक्षा क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान के साथ-साथ छात्रों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सामूहिक दिव्य श्री राम कथा महोत्सव का होगा नोएडा स्टेडियम मे आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। सामूहिक दिव्य श्री राम कथा महोत्सव द्वारा प्रेस वार्ता नोएडा स्टेडियम रामलीला ग्राउंड में आयोजित हुई जिसमें श्री राम कथा महोत्सव के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया' यह राम कथा सनातन धर्म एवं संस्कृति जागरण तथा जनकल्याण हेतु करायी जा रही है' जिसमें क्षेत्रवासियों को ज्यादा से ज्यादा धर्म की ओर जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह श्री राम कथा 7 दिसंबर से लेकर 15 दिसंबर तक चलेगी जिसमें आचार्य श्री महेंद्र जी महाराज के श्री मुखर बिंदु से राम कथा का गुणगान किया जाएगा' 7 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से नोएडा स्टेडियम रामलीला ग्राउंड में कलश यात्रा निकली जाएगी और शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।श्री राम कथा का आयोजन 8 दिसंबर से लेकर 15 दिसंबर तक होगो इस अवसर पर राहुल शर्मा, प्रवीण पांडेय, गोपाल गुप्ता, गौरव मेहरा, पवन कुमार, दीपक सिंह मेहरा, चंचल सिंह, कार्तिकेय शर्मा आदि आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

17वें ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल दूसरे दिन फिल्मी कलाकारों का जमावड़ा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। 17वें ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल नोएडा के दूसरे दिन नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष और एएएफटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप मारवाह ने आये हुए मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि मैंने हमेशा अपने काम को तवज्जो दी है सफलता तो अपने आप मिलती चली गई इसलिए मैं अपने संस्थान के सभी बच्चों से यही कहता हूँ की अपने काम को इबादत मानकर करे आपको अपनी मंजिल जरूर मिलेगी।

उन्होने आगे कहा की यह फेस्टिवल न केवल इंडियन फिल्म फेस्टिवल है बल्कि इसमें विश्व के सिनेमा को नई पहचान मिलती है और नई तकनीक भी सीखने को मिलती है। इस अवसर पर स्पेन के राजदूत महामहिम जुआन एंटोनियो, वेनेजुएला के राजदूत महामहिम कैपाया रोड्रिग्ज, फिल्म निमार्ता टी पी अग्रवाल अभिनेताओं में गगन सिंह, रॉयल मनजोत सिंह, ठाकुर अनूप सिंह, निशांत सिंह मलखनी मुकेश त्यागी,3 मॉडल, एक्ट्रेस प्रीति ममगेन व अभिनेता, वीजे और गायिका सुचित्रा पिल्लई, व योग प्रशिक्षक पूनम यादव ने डिजिटलीकरण के बाद सिनेमा का भविष्य पर छात्रों के समक्ष अपने विचार रखे। जुआन एंटोनियो ने कहा आपके संस्साथान आकर मुझे बहुत खुशी हुई जहाँ तक डिजिटिलेशन फिल्मों की बात है तो इंडियन फिल्म इंडस्ट्री का पूरी तरह से डिजिटिलेशन हो चूका है आज विश्व के तमाम देश यहाँ अपनी मूवी रिलीज करना चाहते है। पूनम यादव ने कहा कि आज पूरा वर्ल्ड बदल रहा है साथ ही इंडिया भी बदल रहा है और इस बदलाव में रोज नए सॉफ्टवेयर आ रहे हैं और जिंदगी मोबाइल और फिल्म और ओटीटी के बिना अधूरी सी लगती है।

निशांत सिंह मलखानी ने कहा मैं पहली बार मारवाह स्टूडियो आया हूं और मुझे यहां छात्रों की ऊर्जा देखकर बहुत ही अच्छा लगा ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पुराने ही नहीं बल्कि नए कलाकारों को भी एक बहुत बढ़िया प्लेटफार्म दिया है और सबसे बड़ी बात की हम आने वाली नई जनरेशन को क्या देना चाहते हैं यह हमें आज से ही सोचना पड़ेगा। मनजोत सिंह ने कहा कि अगर दूसरे के लिए कुछ करना है तो पहले अपनी जिंदगी को सोने की तरह निखारना होगा।

प्रीति ने कहा की अगर आपके अंदर काबिलियत है और आप अपने काम की जिम्मेदारी को समझते हैं तो यह कोई किसी भी प्लेटफार्म पर आप काम कर सकते हैं बस आपको अपने आप को दूसरों से अलग दिखाने आना चाहिए पर जितना भी काम करें उसमें क्वालिटी होना बहुत जरूरी आपके छोटे से भी किरदार को लोग वर्षो तक याद रखें ऐसा काम करना आपको आना चाहिए। टीपी अग्रवाल ने कहा इस संस्थान से जो आपको मिलेगा वह आपको कहीं नहीं मिल सकता मैंने देखा है संदीप बहुत कोशिश करते हैं कि उनके बच्चे इस संस्थान का नाम रोशन करें और हर चीज सीख कर जाए ताकि आपको यह न लगे कि हमने यह नहीं आता। सुचित्रा पिल्लई ने कहा कि आज युवाओं के पास काफी अवसर है अपने टैलेंट को दिखाने के शर्त ये है की आप कितना स्वयं को अपडेट रहते है।

इस अवसर पर संदीप मारवाह ने जुआन एंटोनियो व कैपाया रोड्रिग्ज को हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी सिनेमा सम्मान व गगनदीप प्रीति, सुचित्रा पिल्लई, अनूप ठाकुर व रॉयल मनजोत को हिंदी सिनेमा गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया बाकी सभी आए हुए मेहमानों को फेस्टिवल ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया व योगेश मिश्रा की बुक भी रिलीज की गई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में ऊर्जा रिफार्म को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के सभागार में ऊर्जा रिफार्म को लेकर विद्युत विभाग से संबंधित अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने नोएडा क्षेत्र के अन्तर्गत ऊर्जा रिफॉर्म के संबंध में विभिन्न कर्मचारी संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन/आंदोलन के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने उद्देश्य से सम्बन्धित विद्युत विभाग में कार्य कर रहे आउटसोर्सिंग कार्यदायी संस्था, पॉलिटेक्निक, सैनिक कल्याण निगम, मीटर रीडिंग एजेन्सी, एन०पी०सी०एल० के प्रतिनिधि एवं नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण तथा पारेषण स्कन्ध के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुये निर्देश दिए कि जनपद में अति संवेदनशीलक्षेत्र जैसे अस्पताल/वाटर वर्क्स/सीवेज पम्प आदि में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही समय सुनिश्चित कर ली जाये। उन्होंने समीक्षा करते हुये 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों व 400 केवी/220 केवी पावर विद्युत केंद्रों पर अतिरिक्त मैन पावर तैनात किए जाने हेतु उपरोक्त संस्थाओं से मैनपॉवर उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए राउंड-राउंड द क्लॉक कंट्रोल रूम बनाए जाने हेतु निर्देशित भी किया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि क्रिटिकल सबस्टेशनों की लिस्ट ससमय उपलब्ध करायी जाये एवं ट्रांसमिशन सबस्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था संबंधित अधिकारी द्वारा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलनात्मक परिस्थिति से निपटने की तैयारी संबंधित अधिकारियों द्वारा पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाए ताकि अस्पताल एवं आवश्यक सुविधाओं में विद्युत आपूर्ति प्रभावित न हो सके। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा ट्रांसमिशन के सबस्टेशनों पर कार्मिकों के रिप्लेसमेंट में अतिरिक्त कार्मिकों की लिस्ट मोबाइल नंबर सहित अविलम्ब जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दी जाये। आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शिवप्रताप प्रमेश, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, मुख्य अभियंता(वितरण) नोएडा क्षेत्र हरीश बंसल एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रक्षा समिति बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति हिंसा के विरुद्ध करेगा विशाल विरोध प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद से हिन्दुओ तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा लगातार अमानवीय अत्याचार, हत्या, बलात्कार और आगजनी जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मन्दिरों पर हमला, पुजारियों की गिरफ्तारी, हत्या और धार्मिक आधार पर अत्याचार के बाद भी बांग्लादेश की सरकार और एजेंसियां लगाम लगाने के स्थान पर मूकदर्शक बनी हुई हैं। धार्मिक आधार पर अनेक सरकारी अधिकारियों, प्राध्यापकों आदि पर इस्तीफा देने का दबाव भी बनाया जा रहा है। विवशतावश बांग्लादेशी हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों द्वारा लोकतांत्रिक रूप से अपनी आवाज उठाने का प्रयास किया गया जिसके बलात दमन का नया दौर उभरता दिख रहा है। ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे सन्त चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी घोर अन्यायपूर्ण है। बांग्लादेश में धार्मिक आधार पर हो रहे इस अत्याचार और दमन के विरोध में श्री सनातन धर्म रक्षा समिति गौतमबुद्ध नगर के तत्वाधान में आगामी रविवार 8 दिसंबर को इस्कॉन मंदिर नोएडा के समीप नोएडा हाट सेक्टर 33 में सर्व समाज द्वारा विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

इस प्रदर्शन में गौतमबुद्ध नगर का समस्त हिंदू समाज, संत महात्मा लोग उपस्थित रहेंगे तथा जन सामान्य सम्मिलित हो कर सन्त चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई और हिन्दू हितों की रक्षा करने हेतु प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी आवाज उठाने वाले हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व महंत आदित्यकृष्ण गिरी अध्यक्ष श्री सनातन धर्म रक्षा समिति करेंगे।

सेहत/स्वास्थ्य

जिंक की कमी ने शरीर को बना दिया है कमजोर, डाइट में शामिल करें ये 4 सुपरफूड्स

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाने के लिए आहार में न्यूट्रिशन को शामिल करना काफी जरुरी है। जिंक जरुरी न्यूट्रिएंट में से एक है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाए, तो कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आइए आपको बताते हैं आहार में किन चीजों को शामिल करें।

दिव्यांशी भदौरिया

बॉडी को स्वस्थ और फिट रखने के लिए एसेंशियल न्यूट्रिएंट होना जरुरी है। अगर शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो, तो शरीर कमजोर होने लगता है। जिंक एक आवश्यक न्यूट्रिएंट जो कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। शरीर में जिंक बनाने के लिए कुछ खास चीजें को रोजाना डाइट में शामिल करते हैं। आइए आपको बताते हैं। डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए।

जिंक के कमी से होने वाली परेशानियां

-वजन कम होना
-कमजोरी महसूस होना
-मेंटल हेल्थ पर असर
-बालों का झड़ना
-जख्म का देर से भरना
-भूख कम लगना
-टेस्ट और स्मेल कम हो जाना
- बार-बार दस्त होना

डाइट में शामिल करें जिंक रिच फूड्स

अंडे की जर्दी

आप रोजाना अपनी डाइट में अंडे के पीले हिस्से को जर्दी को शामिल कर सकते हैं। हालांकि, कुछ लोग अंडे की सफेदी को अलग करके भी खाते हैं। यदि आप अंडे की जर्दी खाएंगे तो शरीर में को जिंक के समेत फाइबर विटामिन बी6, विटामिन बी12, थाइमिन, फोलेट, पैंथोनिक एसिड, कैल्शियम, आयरन और फास्फोरस प्राप्त होता है।

दही

प्रतिदिन आहार में दही को एड ऑन करें, क्योंकि इसमें गुड बैक्टीरिया होते हैं। इससे डाइजेशन दुरुस्त होता है और इसके साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट होती है। इसके साथ ही मिल्क प्रोडक्ट में जिंक भी होता है।

लहसुन

लहसुन में जिंक के रिच सोर्स होते है, वैसे तो लहसुन की गंध भले ही कई लोगों को पसंद नहीं होती। हालांकि, शरीर के लिए काफी लाभदायक होती है। इसे खाने से शरीर को विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम, मैग्नीशियम और आयोडीन भी मिलेंगे।

काजू

काजू में जिंक भरपूर मात्रा में होती है। इसे लोग काफी खाना पसंद करते हैं। काजू में जिंक के अलावा विटामिन ए, विटामिन के और फोलेट की भरपूर मात्रा पाई जाती है। काजू को लोग ज्यादातर खाना पसंद करते हैं। इसे सर्दियों में खाना और अच्छा माना जाता है।

पर्यटन

पॉल्यूशन फ्री है चंडीगढ़ के आसपास मौजूद ये खूबसूरत जगहें, वीकेंड पर बनाएं घूमने का प्लान

> आज हम आपको चंडीगढ़ के आसपास कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप वीकेंड में घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण आपको अपना दीवाना बना लेगा।

अनन्या मिश्रा

देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पंजाब, हरियाणा आदि शहरों में पॉल्यूशन इस कदर बढ़ गया है कि लोगों को इससे परेशानी होने लगी है। इन शहरों के साथ ही चंडीगढ़ में बढ़ते प्रदूषण के चलते कई लोग शुद्ध हवा के लिए हिल स्टेशन का रुख कर रहे हैं। ऐसे में अगर आपके शहर में भी पॉल्यूशन बहुत बढ़ गया है और आप शुद्ध व शांत वातावरण में सांस लेना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चंडीगढ़ के आसपास कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप वीकेंड में घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण आपको अपना दीवाना बना लेगा।

सोलन

चंडीगढ़ के आसपास शानदार और मनमोहक जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले सोलन का नाम लिया जाता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ शुद्ध हवाओं के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप ठंडी और शुद्ध हवा में सुकून के पल बिता सकते हैं। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद सोलन नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। यहां पर बड़े-बड़े देवदार के पेड़, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरने इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। सोलन में आप ट्रेकिंग, हाईकिंग और कैंपिग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। चंडीगढ़ से यह जगह करीब 68 किमी दूर है।

कसौली

हिमाचल प्रदेश में समुद्र तय से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर कसौली स्थित है। यह एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन है। कसौली की हसीन वादियों में चंडीगढ़ से कई लोग परिवार के साथ पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं। कसौली हिल स्टेशन खूबसूरती के अलावा शुद्ध हवाओं के लिए भी जाना जाता है। यहां का शुद्ध और शांत वातावरण अपने आप में सुकून देने वाला है। कसौली की शुद्ध और ठंडी हवाओं में घूमने के बाद आप यकीनन अपने शहर को भूल जाएंगे। यहां पर आप स्नो व्यू पॉइंट, लवर्स लेन ट्रेल और मंकी पॉइंट जैसी शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

नालागढ़

हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थिति नालागढ़ एक मनमोहक हिल स्टेशन है। यह हिमाचल प्रदेश का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर न सिर्फ चंडीगढ़ से ही बल्कि अमृतसर, लुधियाना, पटियाला और जालंधर से भी लोग घूमने के लिए आते हैं। नालागढ़ में बड़े-बड़े देवदार के पेड़, झील-झरने और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जानी जाती है। यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी करने के साथ ही सुकून के दो पल भी बिता सकते हैं। चंडीगढ़ ने नाहागढ़ की दूरी करीब 64 किमी है।

नाहन

अगर आप भी चंडीगढ़ के पॉल्यूशन और भीड़-भाड़ से दूर किसी शांत और शानदार जगह पर सुकून के कुछ पल बिताना चाहते हैं। तो आपको एक बार नाहन जरूर जाना चाहिए। यह हिमाचल प्रदेश का छिपा हुआ बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। समुद्र तल से करीब 1 हजार मीटर की ऊंचाई पर मौजूद नाहन में आपको जरा भी पॉल्यूशन नहीं मिलेगा। यहां का वातावरण इतना अधिक शुद्ध मिलेगा और दूर-दूर तक फ्रेश और स्पष्ट दिखाई देगा। यहां पर आप रेणुका झील, हब्बान वैली और मिनी चिड़ियाघर जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

इन जगहों को एक्सप्लोर करें

बता दें कि चंडीगढ़ के आसपास अन्य कई बेहतरीन और शानदार जगहें हैं, जो पॉल्यूशन फ्री हैं। यहां पर आप वीकेंड में घूमने के लिए आ सकते हैं। आप चंडीगढ़ से करीब 106 किमी दूर चैल, 126 किमी दूर स्थित कुफरी और 110 किमी दूर स्थिति शिमला घूमने के लिए पहुंच सकते हैं। यहां पर आप 5% भी पॉल्यूशन नहीं मिलेगा।

ब्यूटी / फैशन

हैवी ब्रेस्ट के लिए महिलाएं बनवाएं ऐसे डिजाइनर ब्लाउज, मिलेगा परफेक्ट लुक

अनन्या मिश्रा

साड़ी हो या लहंगा एथनिक आउटफिट पहनना लगभग हर महिला को पसंद होता है। शादी या फिर किसी फेस्टिलवल के मौके पर इस तरह के आउटफिट सबसे ज्यादा पहने जाते हैं। इसलिए इन्हीं दिनों में एथनिक आउटफिट की सबसे ज्यादा खरीददारी की जाती है। तो वहीं महिलाओं को कुछ अलग डिजाइन के कपड़ों को ट्राई करना पसंद आता है। इनमें से बहुत सारे ऐसे डिजाइन होते हैं, जो अच्छे लगते हैं। लेकिन कई बार इनको पहनने में हम कंफर्टेबल फील नहीं करते हैं। हैवी ब्रेस्ट की वजह से डिजाइनर ब्लाउज पहनने के बाद अच्छे नहीं लगते हैं। लेकिन देखने में यह काफी अच्छे नजर आते हैं। ऐसे में आप भी कुछ अलग डिजाइन को देखकर टेलर से ब्लाउज तैयार करवा सकती हैं। इनको पहनने के बाद आप काफी सुंदर दिखाई देंगी।

हैवी ब्रेस्ट की वजह से डिजाइनर ब्लाउज पहनने के बाद अच्छे नहीं लगते हैं। लेकिन देखने में यह काफी अच्छे नजर आते हैं। ऐसे में आप भी कुछ अलग डिजाइन को देखकर टेलर से ब्लाउज तैयार करवा सकती हैं।

शर्ट स्टाइल ब्लाउज

अगर आपके ब्रेस्ट हैवी हैं तो आप शर्ट स्टाइल वाले ब्लाउज स्टाइल कर सकती हैं। साड़ी और आजकल लहंगे के साथ इस तरह के ब्लाउज काफी पसंद किए जाते हैं। पहले के समय में महिलाएं घाघरा के साथ इस तरह के ब्लाउज पहना करती थीं। लेकिन आज के समय में यह फैशन ट्रेंड बन गया। आप अपने लिए टेलर से इस तरह का ब्लाउज बनवा सकती हैं। इसमें आपको कॉलर रखवाना है या फिर आप चाहें तो राउंड में डिजाइन बनवा सकती हैं। इसमें साइड में कट लगता है। इसको वियर करने पर आपका लुक बहुत अच्छा लगेगा।

एम्पायर वेस्ट ब्लाउज

अगर आप अपनी वेस्ट को हाइलाइट नहीं करना चाहती हैं, तो फिर आप टेलर से एम्पायर वेस्ट डिजाइन वाले ब्लाउज को तैयार करा सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज में नीचे की ओर सिलाई की जाती है और नीचे की ओर ब्लाउज को हल्का ढीला रखा जाता है। जिसकी वजह से ब्लाउज थोड़ा सा क्रॉप टॉप की तरह नजर आता है। आप डीप में या सिंपल दोनों तरह से इसकी नेकलाइन रख सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज कैरी करने के बाद काफी अच्छे लगते हैं।

फुल स्लीव्स ब्लाउज

आप अपनी साड़ी के लिए फुल स्लीव्स डिजाइन में ब्लाउज बनवा सकती हैं। इसके लिए आपको सिंपल डिजाइन में ब्लाउज बनवाना है और स्लीव्स फुल रखनी है।

इससे आपके ब्लाउज का लुक अच्छा लगेगा और आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा।

घरेलू नुस्खे

भुनी हुई हल्दी से दूर होगा शरीर का कालापन, बॉडी पर आएगा गजब का ग्लो

अगर आप हमारे बताए अनुसार हल्दी का इस्तेमाल करते हैं, तो इस बात की पूरी संभावना है कि शरीर की टैनिंग भी दूर हो जाएगी। इसलिए आज हम आपको भुनी हुई हल्दी से टैनिंग रिमूवल पैक बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

गर्मियां भले ही चली गई हों, लेकिन इस दौरान होने वाली टैनिंग का जाना मुश्किल होता है। खासकर जब यह टैनिंग हाथ, गर्दन या पीठ पर हो। इसलिए आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आपके शरीर का सारा कालापन गायब हो जाएगा।

साथ ही आपकी बॉडी में ग्लो आएगा। हल्दी न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य बल्कि हमारी स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। ऐसे में अगर आप हमारे बताए अनुसार हल्दी का इस्तेमाल करते हैं, तो इस बात की पूरी संभावना है कि शरीर की टैनिंग भी दूर हो जाएगी। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भुनी हुई हल्दी से टैनिंग रिमूवल पैक बनाने के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्किन के लिए लाभकारी है हल्दी

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी हल्दी काफी फायदेमंद होती है। हल्दी में एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एक्सफोलिएंट गुण पाए जाते हैं। दो हमारी त्वचा पर निकलने वाले मुहांसों को पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने में सहायक होता है और पस जमने से रोकता है।

साथ ही हल्दी चेहरे पर निखार लाने का भी काम करता है। तो आइए जानते हैं कि आप हल्दी को टैनिंग हटाने के लिए किस तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं।

पैक की सामग्री
हल्दी- 2 चम्मच
कॉफी- 1 चम्मच
शहद- 1 चम्मच
कच्चा दूध- जरूरत अनुसार

नोट- आप चाहें तो इस पैक में नींबू का रस भी मिला सकते हैं। हालांकि इसको अप्लाई करने से पहले पैट टेस्ट करना न भूलें।

ऐसे तैयार करें टैनिंग रिमूवल पैक

सबसे पहले हल्की आंच में तवा गर्म करें। फिर इस पर दो चम्मच हल्दी डालकर अच्छे से भूनें।

हल्दी को आपको तब तक भूनना है, जब तक इसका रंग ब्राउन न हो जाए।

भुनी हुई हल्दी में को एक कटोरी में निकालकर उसमें शहद, कॉफी और कच्चा दूध डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इस पैक को अपने शरीर पर के काले और टैनिंग वाले हिस्से पर अप्लाई करें।

इसके बाद इस पैक को 10-15 मिनट तक सूखने के लिए रख दें।

फिर समय पूरा होने के बाद हैंड वॉश कर लें।

इससे आपके शरीर का कालापन दूर होगा और शरीर का हर अंग खिल उठेगा।

अगर आप सप्ताह में एक या दो बार इसका इस्तेमाल करें।

इससे आपकी बॉडी का ग्लो बना रहेगा।

नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने रक्तदान शिविर का किया उद्घाटन

ललित जायसवाल ने किया अतिथियों का स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। डिप्टी कंट्रोलर रविन्द्र प्रताप और चीफ वार्डन ललित जायसवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चीफ वार्डन ललित जायसवाल द्वारा नागरिक सुरक्षा कार्यालय के प्रांगण में ध्वजत्तोलन किया गया। मुख्य अतिथि डीएम इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा नागरिक सुरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी और रक्तदान शिविर का उद्घाटन सिविल डिफेंस ऑफिस कलेक्ट्रेट परिसर पर किया गया। जिलाधिकारी द्वारा प्रदर्शनी में प्रदर्शित नागरिक सुरक्षा विभाग के विभिन्न उपकरणों के अवलोकन के उपरान्त रक्तदान के लिए आए सभी वार्डन का मनोबल बढ़ाते हुए बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति हर 6 महीने में एक बार रक्तदान कर के लोगो के जीवन को बचाने में अपना योगदान दे सकता है।

इस कैंप का आयोजन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एमएमजी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया है।इस अवसर पर सहायक उप नियंत्रक गुलाम नबी, प्र.डिप्टी चीफ वार्डन अनिल अग्रवाल, स्टोर सुप्रिटेंडेंट विमलेश कुमारी,डिविजनल वार्डन टाऊन हॉल राजेंद्र शर्मा,डिविजनल वार्डन कलेक्ट्रेट सुधीर कुमार, प्र.डिविजनल वार्डन राजेंद्र नगर ए के ठाकुर , डिविजनल वार्डन आरक्षित हर्ष वर्मा, स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन गोपाल बंसल ,प्र. डिप्टी डिविजनल वार्डन टाऊन हॉल नवनीत कुमार, प्र. डिप्टी डिविजनल वार्डन कोतवाली रवि अग्रवाल, डिप्टी डिविजनल वार्डन आरक्षित पंकज बंसल,स्टाफ ऑफिसर रमन सक्सेना,संध्या त्यागी के साथ भारी संख्या में वार्डन ने प्रतिभाग कर के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गाजियाबाद के तीन वार्डन हर्ष वर्मा डिविजनल वार्डन आरक्षित, चैतन्य जैन स्टाफ ऑफिसर और राजन गुप्ता पोस्ट वार्डन के साथ स्टोर सुप्रिटेंडेंट विमलेश कुमारी को महानिदेशक प्रशस्ति पत्र और डिस्क से भी सम्मानित किया गया है। समस्त उत्तर प्रदेश में कुल आए 15 प्रशस्ति पत्र में से 4 गाजियाबाद आए हैं। ब्लड डोनेशन कैंप में कुल 54 लोगो ने ब्लड देने के लिए फॉर्म भरे। इसमें से मेडिकल कारण से 15 लोग ब्लड नहीं दे सके और कुल 39 लोगो ने रक्तदान कर के कैंप को सफल बनाया।

आरकेजीआईटी की उपलब्धि

नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी ताइवान के साथ तकनीकी करार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल प्रौद्योगिकी संस्थान के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग ने नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताइवान के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सतत विकास पर अनुसंधान केंद्र के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू शैक्षिक अनुभवों को बढ़ाने, अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने तथा अकादमिक और उद्योग के बीच के गैप को कम करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की शुरूआत का प्रतीक है। इस साझेदारी के माध्यम से तकनीकी सहयोग, शैक्षिक अनुसंधान, शिक्षण, कार्यशालाओं और अन्य सहयोगी गतिविधियों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सतत विकास के क्षेत्रों में ज्ञान और विशेषज्ञता के वैश्विक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। इस एमओयू

पर हस्ताक्षर नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताइवान के डायरेक्टर डॉ पाओ एन ह्युइंग एवं मिस शियु छन शु की उपस्थिति में किया गया। संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर प्रो लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान, निदेशक डॉ बी सी शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आर.के. यादव एवं डीन एक्रेडिटेशन डॉ. रामेन्द्र सिंह ने समझौता ज्ञापन के लिए कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित सिंघल को बधाई दी।

रालोद नेताओं ने बाबा साहेब को किया नमन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को सविंधान निमार्ता बाबा भीम राव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रीय लोकदल महानगर द्वारा अंबेडकर पार्क में नवयुग मार्केट स्थित बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महानगर अध्यक्ष डा रेखा चौधरी ने बाबा भीमराव अंबेडकर द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में बताया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह टीटू ने बाबा साहब के चरित्र पर प्रकाश डाला। सभी ने बाबा सबाब अमर रहें के नारे लगाए और उनके बताए रास्ते का अनुसरण करने का संकल्प लिया। ऐसे महापुरुष सदियों में एक बार जन्म लेते हैं और समाज की दिशा और दशा में परिवर्तन करने का कम करते हैं हम सभी को बाबा भीमराव अंबेडकर जी पर गर्व है। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष डा रेखा चौधरी ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह टीटू ,प्रदेश महासचिव रविन्द्र चौहान ,पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेंद्र बॉबी ,प्रदेश सचिव राजेंद्र चंदेला और किशन राघव विधानसभा अध्यक्ष राजू गौतम और तरु चौधरी महानगर महासचिव शेर सिंह मौर्य महानगर उपाध्यक्ष अमित चौधरी ,नवांब बाल्मीकि ,दीपा सिरोही ,सुमन अग्रवाल, श्वेता सिंह, सरजीत ,मोमिन मलिक ,कय्यूम ,देवेंद्र मलिक, टेक चंद, पवन गौतम ,राजू सिंह डा संजय बैंसला ,दीपक पर्चा ,सुशील पांचाल ,रितिक पांडे ,आदित्य सिंह आदि उपस्थित रहे।

पार्षद पप्पू नागर के नेतृत्व में संजयनगर में लगाया गया आयुष्मान कैम्प

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के द्वारा देश के करोड़ो नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत देश के 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। आयुष्मान योजना का नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए भाजपा के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि भी लगातार कार्यरत हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के वार्ड नंबर 71 के पार्षद उमेश पप्पू नागर के नेतृत्व में आमजन के स्वास्थ्य के दृष्टिगत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 5 लाख रुपए की मुफ्त इलाज की आयुष्मान योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु निःशुल्क आयुष्मान कैम्प का आयोजन किया गया। पार्षद पप्पू नागर द्वारा बताया गया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व 10 साल के कार्यकाल में जनहित कार्यों में जितना लाभ आमजन को दिया गया है वो बहुत ही सराहनीय है पिछले 10 वर्षों से केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश सरकार मिलकर डबल इंजन के रूप में आमजन को सरकारी योजनाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, वरिष्ठ नागरिक समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष हरपाल सिंह, महासचिव देशबंधु गोयल, कोषाध्यक्ष भगवत स्वरूप शर्मा, शत्रुघ्न प्रसाद, सेवाराम शर्मा, महामंत्री अमित गोस्वामी, मनोज गिरी, नीरज त्यागी, भूषण शर्मा, हरेंद्र यादव, अनुज राघव, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष आर एन राम, तनुज खन्ना, अनिल अरोड़ा, गुड्डू चौहान, राहुल शर्मा, अभिजीत मुखर्जी, भावना जौहरी व अन्य गणमान्य स्थानीय वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

विहिप कार्यकारिणी बैठक में शौर्य दिवस और बांगलादेश में हिंदू समुदाय की स्थिति पर हुई चर्चा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विहिप (बजरंग दल) के प्रखंड अध्यक्ष निखिल त्यागी के नेतृत्व में तथा महानगर कार्यकारिणी के आवाहन पर 5 दिसम्बर को शिव मंदिर, आशियाना चौक, राजनगर एक्सटेंशन, गाज़ियाबाद में एक महत्वपूर्ण प्रखंड कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी वार्षिक प्रमुख आयोजन शौर्य दिवस पर आयोजित पथ संचलन की रूपरेखा तैयार करना था। इसके साथ ही, बांगलादेश में हिंदू समुदाय की दयनीय स्थिति, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और धर्म परिवर्तन जैसे ज्वलंत मुद्दों पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न चचाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि शौर्य दिवस के आयोजन में अधिक से अधिक भागीदारी हो और समाज में एकजुटता और शक्ति का संदेश दिया जाए। इसके साथ ही, बांगलादेश में हो रहे धार्मिक उत्पीड़न के खिलाफ एक सशक्त आवाज उठाने के लिए भी रणनीतियों पर विचार किया गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से स्वतंत्र विचारक अश्वनी शर्मा (अखण्ड भारत मिशन), प्रबल गुप्ता - महानगर संयोजक बजरंग दल, मुदित शर्मा, सचिन गुप्ता, रितिक त्यागी, मनोज भटनागर और राजेश तोमर जी सहित अन्य प्रखंड एवं महानगर कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा साहेब को कांग्रेसियों ने नमन कर दी श्रद्धांजलि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 6 दिसंबर बुद्धिस्ट भारत रत्न भारत संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई। जिला व महानगर अध्यक्ष अनुसूचित भाग के नरतत्व डॉक्टर बी आर अंबेडकर जी की 68वी पुण्यतिथि पर बाबा साहब को याद कर उनकी स्मृति चिन्ह पर पुष्प अर्पित कर जिला कार्यालय में गोष्ठी हुई। जिसमें बाबा साहब के बलिदान के बारे में चर्चा हुई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष विनीत त्यागी, जिला अध्यक्ष सूर्यकांत अनुसूचित, महानगर अध्यक्ष आशीष प्रेमी, प्रदेश महासचिव पंकज तेजानिया, महासचिव वीर सिंह जाटव, उपाध्यक्ष राकेश जाटव, पीसीसी राजाराम भारती, राजन चित्तौड़िया, राहुल गौतम, एडवोकेट बबलू भारती, पीसीसी सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष श्री चंद दिवाकर, बबलू शर्मा, जाकिर, राजकुमार गहरा, लोकेंद्र, आदि कांग्रेस सभा में उपस्थित रहे।

वेदास ग्लोबल स्कूल कर रहा है हठधर्मी, अभिभावक परेशान

3 वर्षों में शीतकालीन व ग्रीष्माकालीन यूनिफार्म 5 बार बदली

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पिछले काफी समय से स्कूल चलाने वाले अधिकतर प्रबंधक धनलोभी हो गए है जिन्होने शिक्षा के मंदिर को अधिक धन कमाने का व्यवसाय बना दिया हैं। जिनकी शिकायतें और भ्रष्टाचार की खबरें निरंतर समाचार पत्रों मे प्रकाशित होती चली आ रही हैं।

पैरेन्टस एसोसिएशन, सामाजिक संस्थाओं सहित जिला प्रशासन और सरकार द्वारा इनकी हठधर्मिता पर काबू पाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे है, पर लगता है कि योगी सरकार के आदेशों और शिक्षा विभाग के नियमों का इन पर कोई भी असर नहीं पड़ रहा है। योगी–मोदी सरकार जहां शत–प्रतिशत शिक्षित भारत बनाने के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए संकल्पबद्ध है, जिसमें बेटी पढ़ाओं–बेटी बचाओं उनकी प्रथम प्राथमिकता है, तो वहीं कुछ स्कूल अपने धन लालच को लेकर हठधर्मिता पर अड़े हुए हैं।

- **विद्यार्थियों को किताबें, कॉपी और पूरी यूनिफार्म स्कूल से ही खरीदने को किया जाता है मजबूर**
- **अभिभावकों ने बीएसए से की शिकायत, कहा– नियमों का उल्लंघन कर रही प्रधानाचार्या**
- **बेटियों की मां ने कहा– क्या मोदी–योगी के राज में अशिक्षित रह जायेगी मेरी बेटियां**

बताते चले कि जनपद गाजियाबाद के थाना कोतवाली घंटाघर के राकेश मार्ग, आरके बैंकेट हॉल के समीप वेदास ग्लोबल स्कूल की प्रधानाचार्या द्वारा अपनी पूरी हठधर्मिता दिखाई जा रही है। श्रीमती दुर्गेश आर्य निवासी राकेश मार्ग, गाजियाबाद ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को एक शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि उक्त वेदास ग्लोबल स्कूल में उनकी दो पुत्रियां कक्षा 2 व 3 में पढ़ती है, जो कि पिछले तीन वर्षों से इस स्कूल में अध्यनरत हैं, स्कूल द्वारा हर शीतकालीन व ग्रीष्मकालीन सत्र में स्कूल यूनिफार्म बदल दी जाती है। साथ ही अवगत कराना है कि उक्त स्कूल द्वारा विद्यार्थियों की किताबे, कॉपी सहित पूर्ण यूनिफार्म स्कूल से ही खरदीनी पड़ती है, जहां उनका मूल्य अत्यधिक होता है। महोदय को अवगत कराना है कि इस वर्ष हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है जिस कारण हमारे द्वारा शीतकालीन यूनिफार्म नहीं खरीदी जा सकी, जिसके लिए स्कूल प्रधानाचार्या के आदेश पर कक्षाध्यापकों द्वारा मेरी पुत्रियों को कक्षा के बाहर खड़ा किया जाता है, जो कि बिल्कुल गलत व असहनीय हैं। इसी के साथ मुझे कॉल कर व स्कूल में बुलाकर यह कहला दिया गया कि या तो स्कूल की गाइडलाइन को फोलों करें अन्यथा अपनी पुत्रियों को नाम कटवा लें, हमें स्कूल के नियमों के अनुसार ही बच्चों को स्कूल में रखेंगे।

श्रीमती आर्य ने बेसिक शिक्षा अधिकारी से निवेदन किया कि उन्हें न्याय दिलाते हुए स्कूल की हठधर्मिता पर अंकुश लगाया जाये, जिससे की सभी अभिभावकों को न्याय मिल सके और वे अपने बच्चों की शिक्षा को पूर्ण करा सके। श्रीमती आर्य ने कहा कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे मुख्यमंत्री जी और प्रधानमंत्री जी को भी पत्र लिखते हुए उन्हें उक्त मामले से अवगत कराते हुए न्याय की मांग करेंगी और यदि स्थिति ऐसी ही रही तो वे अपनी बेटियों को शिक्षा नहीं दिलायेंगी।

बाबा साहेब का संविधान ही देशवासियों का सबसे शक्तिशाली औजार है: आसिफ सैफी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर यूथ कांग्रेस कार्यालय पर बाबासाहेब के चित्र पर जिला अध्यक्ष आसिफ सैफी के नेतृत्व में युवाओं ने और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने माल्यार्पण कर उनको नमन किया। आसिफ सैफी ने बाबा साहेब को अपनी श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबासाहेब ने गरीबों, वंचितों, दलितों और महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया।

बाबा साहेब संविधान की रचना की जिसको मौजूदा बीजेपी सरकार खत्म करने की कोशिश कर रही है। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता संविधान की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे। आसिफ सैफी ने संविधान के शिल्पकार को मेरा नमन कर उनके बताए रास्ते पर चलने का आवाहन किया। बाबासाहेब आंबेडकर जी को श्रद्धांजलि देने वालों में वरिष्ठ नेता नरेंद्र चौहान, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष सलीम अहमद (सैफी), पूर्व महापौर प्रत्याशी लालमन पाल सिंह, राजीव गांधी विचार मंच प्रदेश महासचिव डॉ बाबूराम आर्य, एससी-एसटी महानगर अध्यक्ष आशीष प्रेमी,पीसीसी सदस्य, महानगर संगठन प्रभारी त्रिलोक सिंह, युवा नेता हुमायूं मिर्जा,यूथ जिला उपाध्यक्ष उज्जवल गर्ग,यूथ जिला उपाध्यक्ष ताज राणा, प्रताप सिंह,राज सिंह, कृष्ण कुमार,बादल, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में रूस की यूनिवर्सिटीज ने साझा की रोबोटिक्स और नई तकनीकों की जानकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में रूस के टेक्नोलॉजी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत रोबोटिक्स और इन्नोवेटिव एजुकेशनल टेक्नोलॉजीज पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रूस की तीन प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी साउथवेस्ट स्टेट यूनिवर्सिटी कुर्सक, बेलगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी बेलगोरोड और मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शामिल हुए 10 रूसी तकनीकी और शैक्षिक विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को रूस में विकसित हो रही नवीनतम तकनीकों और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रोबोटिक्स, डिजिटल

ट्रांसफॉर्मेशन, ऊर्जा सक्षमता, और यांत्रिकी जैसे विषयों पर विशेष सत्र लिए। इस अवसर पर साउथवेस्ट स्टेट यूनिवर्सिटी की केन्सिया रुडिया (हेड, अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं), मरीना ब्रेकोवा (डीन, विदेशी नागरिक विभाग), और दिमित्रि एर्मकोव (इंजीनियर, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन विभाग) ने अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, डेनियल चेर्टुश्किन (डिजाइन इंजीनियर, ऊर्जा सक्षमता केंद्र) और एवगेनी मसालोव (हेड, वैज्ञानिक सहायता विभाग) ने भी छात्रों को प्रेरित किया। बेलगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी से व्लादिस्लाव लियामिन (हेड, यांत्रिकी विभाग प्रयोगशाला) और दिमित्री गोंचारोव (इंजीनियरिंग कॉलेज) ने रूसी शोध में यांत्रिकी के योगदान पर चर्चा की। मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व अलेक्जेंडर शमारोव और इगोर सैप्रोनोव ने किया, जिन्होंने रोबोटिक्स और उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों पर रोचक बातें साझा कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल छात्रों को नई तकनीकों से अवगत कराना था, बल्कि उन्हें रूस में उच्च शिक्षा और शोध के संभावनाओं से भी जोड़ना था।

छात्रों ने रूसी विशेषज्ञों से संवाद करके तकनीकी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरणा प्राप्त की। क्वाडकॉप्टर एक खास तरह का ड्रोन होता है। जिसमें चार अलग उड़ने के लिए पंखों की व्यवस्था होती है जो रोटर्स कहलाते हैं। इसी लिए इन्हें क्वाडरोटर भी कहा जाता है। अनमैन्ड एरियर व्हीकल जो ड्रोन के नाम से ज्यादा प्रचलित हैं।

ड्रोन्स रिमोट कंट्रोल से संचालित होते हैं। एक बाज के आकार के या उससे छोटे बड़े हो सकते हैं। यानि ये छोटे एरोप्लेन या छोटे हैलीकॉप्टर होते हैं। इस दौरान इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ अजय कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ मीनाक्षी शर्मा, वाइस प्रेसिडेंट सीएसआर विभूति शंकर, सुशील कुमार शर्मा,अजय चौधरी आदि मौजूद रहे।

जर्जर गाजियाबाद मोदीनगर मार्ग के निर्माण को लेकर केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आरआरटीएस के निर्माण के कारण जर्जर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्रीय सांसद डॉ राजकुमार सांगवान केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मिले और उन्हें अपनी मांग संबंधी एक ज्ञापन सौंपा। सांसद राजकुमार सांगवान द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि गाजियाबाद मोदीनगर-मेरठ एनएच-58 पर आरआरटीएस का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। निर्माण कार्य के दौरान गाजियाबाद-मोदीनगर-मेरठ सड़क अत्यंत क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। यह अत्यंत व्यस्त सड़क है जिस पर हजारों लाखों वाहनों का प्रतिदिन आवागमन बना रहता है। क्षतिग्रस्त सड़क होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है, जिस कारण काफी जान माल का नकुसान हो रहा है। पूरा दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। सडक की ऐसी खराब स्थिति के कारण न केवल यात्रियों को बल्कि व्यापार और अन्य गतिविधियों में भी फर्क पड़ता है और सरकार के प्रति जनता का नकारात्मक प्रभाव जाता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि सड़क की स्थिति को पूर्णता सुधारने के लिए और गुणवत्ता पूर्ण सड़क बनाने के लिए शीघ्र संबंधित अधिकारी को निर्देशित कर पुनर्निर्माण करवाने का कष्ट करें।

भीमराव रामजी अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। भारतीय संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ भीमराव रामजी अंबेडकर की महापरिनिर्वाण दिवस पर मोदीनगर बस स्टैंड स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात निज कार्यालय में महापरिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी कार्यक्रम में सत्यपाल प्रधान जिला अध्यक्ष गाजियाबाद भाजपा, डॉ मंजु शिवाच विधायक मोदीनगर, विनोद वैशाली नगर पालिका चेयरमैन मोदीनगर एवं सुचेता सिंह ब्लाक प्रमुख भोजपुर कि उपस्थिति में आयोजन किया गया।

जिला अध्यक्ष सत्यपाल प्रधान ने बाबा साहेब को श्रधासुमन देते हुए नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद किया कि उन्होंने बाबा साहेब का पंच तीर्थ बनवाने का कार्य किया। 2015 से निरंतर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बाबा साहेब के विचारो को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे है। विधायक डॉ मंजु शिवाच ने बाबा जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर नरेन्द्र मोदी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि निरंतर बाबा साहब के सम्मान में कार्यक्रम कर रहे हैं। उनके समाज एवं उनकी नीतियों को आगे बढ़ा रहे है और हम सब को भी उनकी नीतियों पर चलना चाहिये। नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके चरणों पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने जो हमें बताया सिखाया हम सभी को उसी रस्ते पर चलना चाहिये बाबा साहेब ने सबके लिए कार्य किया, उन्होंने बताया कि बाबा साहेब जिस जगह पर थे उन्होंने बिना किसी भेदभाव के सबके लिए समान रूप सोचा और किया इसी प्रकार सभी को समान रूप से काम करना चाहिये उन्होंने कहा कि बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताये हुए विचारो और कार्यो पर ही हमें चलना चाहिये। सतवीर राघव, देवेन्द्र चौधरी, आकाश गौतम, डॉ पवन सिंघल, समस्त सम्मानित सभासद गण, अमित तिसावर, दीपक कर्दम, साधना आदि मौजूद रहे।

बेटियों में उद्यमिता विकास हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग में बेटियों में उद्यमिता विकास हेतु दो दिवसीय मेक्रम कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। उन्होंने बेटियों के मनोबल को बढ़ाते हुए कहा कि महिला उद्यमिता आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक प्रमुख माध्यम है। महाविद्यालय में बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन अति अनिवार्य है। कार्यशाला में मेक्रम विशेषज्ञ कुमारी सुमायला चौधरी ने मेक्रम द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्पाद (पर्स, कुशन कवर, तोरण, झूमर, वॉल हैंगिंग, झूले मैगजीन होल्डर, शोपीस इत्यादि) बनाने सिखाए। कार्यशाला की संयोजिका डॉक्टर राखी मित्तल ने उद्यमिता विकास के बारे में कहा कि स्वावलंबने महिलाओं की सबसे बड़ी धरोहर है और स्वावलंबन हेतु इस प्रकार के कौशल विकास अति अनिवार्य हैं। मेक्रम, वस्त्र निर्माण की नोटिंग तकनीक है। जिसे आधुनिक बाजार में अति सराहा जाता है। मिशन शक्ति फेस 5 की नोडल अधिकारी सुश्री रश्मि चौधरी ने इस प्रकार की कार्यशाला की आवश्यकता पर विशेष जोर डालते हुए कहा कि मेक्रम विशेषज्ञ होना स्वयं में एक उपलब्धि है और बेटियों में इसका कौशल होना उद्यमिता की ओर एक कदम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉक्टर ऋषिका पांडे, डॉक्टर चेतना, डॉ शिखा त्यागी, डॉक्टर नम्रता शर्मा, डॉक्टर ईशा सचदेवा, कनिका और गायत्री का योगदान सराहनीय रहा।

मोदी कॉलेज के बाल विज्ञानी का मॉडल राज्य स्तर के लिए चयन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉ मर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद मे प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल के निदेर्शन मे भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मंडल स्तर की बाल विज्ञान प्रदर्शनी भाग लेने वाले और उत्कृष्ट मॉडल बनाने वाले छात्रों ओर गाइड टीचरों को सम्मानित किया गया मंडल स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी एन ए एस इंटर कॉलेज मेरठ में 28 29 30 नवंबर को हुई जिसमें छात्रों ने नौ उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए कक्षा 7 के छात्र अर्जुन ने नान न्यूट्रिशन फ्ल्यूड का एक उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया जिसमे उसने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र प्राप्त कॉलेज का नाम रोशन किया है जबकि सीनियर वर्ग में शिवाजी ने ऑर्गेनिक फार्मिंग का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया जूनियर वर्ग में हिमांशु ने आग बुझाना वाली सेंसर मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया और विशाल ने वेस्ट मटेरियल का उपयोग करने का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत कियाऔर तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया है बता दे की अर्जुन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है राज्य स्तर के लिए अयोध्या में उन्हें अपने मॉडल का प्रदर्शन करेंगे प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बच्चों को बधाई देते हुए कॉलेज की टीचरों को धन्यवाद किया कि वह बच्चों को आगे बढ़ाने में निरंतर कठिन परिश्रम कर रहे हैं उस कॉलेज का नाम आगे बढ़ता जा रहा है उन्होंने मंडल स्तर से राज्य स्तर में जाने वाली मॉडल के लिए अर्जुन को और सभी छात्रों को मोमेंट देकर सम्मानित किया और उनके गाइड टीचरों को भी राजीव वर्मा और अन्य सभी विज्ञान अध्यापकों को सम्मानित किया और उन्होंने उन सभी विज्ञान अध्यापकों की प्रशंसा की बच्चों का साथ देने के लिए अपने आगे बढ़ाने के लिए निष्ठा से काम करने के लिए प्रेरित किया कॉलेज के अन्य छात्रों अभय भारद्वाज ने सेंसर पर आधारित कपड़े सुखाने का नैतिक शर्मा ने मैथ्स में पाइथागोरस थ्योरम शांतनु ने स्वास्थ पर, गौरव ने भूकंप अलर्ट अलार्म अनंत शर्मा वेस्ट मटेरियल को जलाकर विद्युत बनाने दर्शित ने भी फूड हेल्थ उत्कृष्ट मॉडल परस्तुत किया जिसका वहां के जज ने बहुत प्रशंशा और भविष्य में और अच्छे मॉडल बनाने के लिए उन्हें प्रेरित किया। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में आरके सिंह, तेजपाल सिंह, ए के जैन सहाब, संजीव कुमार, अजय कुमार, लाल मोहन, राजीव जांगिड़, विनीत चौधरी डॉ नीतू मैडम आदि सभी अध्यापकों का सहयोग रहा।

एआईसीटीई - अटल संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एस आर एम आई एस टी दिल्ली एनसीआर कैंपस मोदीनगर के इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा आयोजित इलेक्ट्रिक व्हीकल :भारतीय परिदृश्य में भविष्य की स्थिरता के लिए एक अद्भुत तकनीक पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया कार्यक्रम 25 नवंबर से लेकर 30 नवंबर तक चला। समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ मधुसूदन शामिल हुए. । इसके अलावा कार्यक्रम में शिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ संजय विश्वनाथन, डीन डॉ आर पी महापात्रा, डीन आईक्युएसी डॉ धोम्या भट, डीन साइंसेस एंड ह्यूमैनिटिज डॉ नवीन अहलावत, डीन मैनेजमेंट स्टडीज, डॉ एन एम मिश्रा, एवम संकाय विकास समन्वयक डॉ. जितेंद्र कुमार शामिल हुए। बीते छह दिनों में इस फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में कुल 10 विद्वान प्राध्यापकों ने अलग-अलग विषयों पर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया. विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आये विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रिक व्हीकल पर अपने विचार व्यक्त किये। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. मधुसूदन ने अपने भाषण के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विशेषताओं पर चर्चा की। साथ ही भारतीय तकनीकी ज्ञान परंपरा की तरफ प्रतिभागियों का ध्यान केंद्रित करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ संजय विश्वनाथन ने इस प्रयास पर खुशी जताई।

उन्होंने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजक टीम को प्रोत्साहित किया। डीन डॉ आर पी महापात्रा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आज के भारत की जरूरत बताया. साथ ही इसे अक्षरशः लागू किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने आगे भी ज्यादा से ज्यादा इस तरह के संकाय विकास कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर दिया. आयोजन में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों ओर औधोगिक क्षेत्र के 50 प्रतिभागी शामिल हुए।

अध्यक्ष अमित गोयल के नेतृत्व में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली से मिलकर विरोध ज्ञापन सौपा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मोदीनगर द्वारा आज संगठन के अध्यक्ष अमित गोयल के नेतृत्व में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली से मिलकर विरोध ज्ञापन सौपा गया। संगठन ने मुख्य मांग शहर में चल रहे कूड़ा उठाने हेतु पालिका द्वारा 50 व 100 रुपए माह की जो वसूली की जा रही है इस पर कड़ा विरोध जताया। संगठन के अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि पालिका द्वारा कई वर्षों से कूड़ा इसी प्रकार उठाया जा रहा है अब नया सरचार्ज इस रूप में लेना सरासर गलत है।

संगठन के महामंत्री निर्दोष खटाना ने कहा कि हर वर्ग एक टैक्स को नहीं दे सकता ऐसे में नगर पालिका को गरीब जनता के ऊपर यह फैसला देने से पहले एक बार पुनः विचार करना चाहिए। प्रदेश मंत्री सतीश अग्रवाल ने कहा की सड़क पर हो रहे गड्ढे को को जल्द भर व तिबडा रोड - हापुड़ रोड बंबा पटरी मार्ग पर सड़क का चोडी करण जल्द करना चाहिए। गोविंदपुरी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता ने कहा कि शहर में बढ़ती आबादी के बीच बंदरों से हो रहे नुकसान को भी पालिका को ध्यान रखकर हमें सुरक्षा व निजात दिलानी चाहिए कोई ऐसा तरीका जल्द ढूंढ कर शहर वासियों को इस समस्या से निजात दिलाना चाहिए।

उपस्थित-पप्पन शर्मा, राजकुमार खुराना, महेश कश्यप, अमित कराटे, गौरव रहेला, जगदीश मदान, संजीव कौशिक, नीरज राजपूत, मनोज सोनी, दिशांत भूटानी, अंकुर सक्सेना, राजेश गुप्ता, नरेंद्र कुमार, मधुसूदन शर्मा आदि व्यापरीगण मौके पर मौजूद रहे।

नींव द स्कूल द्वारा मंनोरंजन टूर का किया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नींव द स्कूल, द्वारा मंनोरंजन टूर का आयोजन किया गया। यह भली भांति जानततें हैं कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के लिए मनोरंजन भी आवश्यक है। इसी बात को ध्यान रखते हुए नींव द स्कूल ने कक्षा प्रथम व द्वितीय के छात्र-छात्राओं के लिए एक मनोरंजक टूर का आयोजन किया। छात्र-छात्राओं में इस टूर को लेकर एक अद्भुत उत्साह देखने को मिला। टूर के लिए छात्र-छात्राओं को हवा हवाई रेस्टोरेंट ले जाया गया। वहां पर छात्र-छात्राओं ने हवाई जहाज के आकार के रेस्टोरेंट में घूम कर व वहाँ पर उपस्थित अन्य खेल सुविधाओं का भरपूर आनंद लिया। इस टूर पर प्रथम व द्वितीय कक्षा के अध्यापक व अध्यापिका एवं वाइस प्रिंसिपल रोमी शर्मा भी बच्चों के साथ उपस्थित रहे। टूर पर बिताए सभी पल छात्र-छात्राओं के लिए यादगार बन गऐ छात्र-छात्राओं ने अपने अध्यापक व अध्यापिकाओं के साथ बहुत सारी फोटो भी खिंचवाई एवं भरपूर मनोरंजन किया।

डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि मनाई गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय मोदीनगर मे इतिहास विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्ते तत्वावधान में महापरिनिर्वाण दिवस (डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि) मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित कर प्राचार्य प्रोफेसर पूनम शर्मा ने किया। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर प्रो प्रभात कुमार, इतिहास विभाग गुरूकुल कागंडी विश्वविद्यालय हरिद्वार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। उनके द्वारा संविधान निर्माण मे डॉ अम्बेडकर की भूमिका व महिला अधिकारों पर विस्तार से बताया गया। आज महाविद्यालय मे इतिहास विभाग में पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर अरूणा शर्मा (शोध निर्देशक) के नेतृत्व में कुमारी रूबी का पी एच-डी वायवा (पाश्चात्य शिक्षा नीति के विविध आयामः एक ऐतिहासिक अध्ययन) पर सम्पन्न हुआ। साथ ही शोधार्थी पवन का जे आर एफ का प्रमोशन, शोधार्थी मनोजे राय का प्री पी एच-डी सबमिट का कार्य भी हुआ इस अवसर परे पूर्व प्राचार्या डॉक्टर रीता बक्शी, ऋषिका पाण्डेय, नूतन सिंह, आंकाक्षा सारस्वत, ऐश्वर्य बहुगुणा, शालु देवी, गीतो त्यागी, फरहा, शिवानी, नम्रता शर्मा, शिखो त्यागी, खुशबू त्यागी, गार्गी अनिता कौशिक, अवनी, तुलसी, और आफिस के सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में यूफोरिया-2024 का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज सांस्कृतिक कार्यक्रम यूफोरिया-2024 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आर पी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, सेक्रेट्री भूषण कुमार अरोड़ा, संस्थान के डायरेक्टर-प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्टी और सभी विभागों के एचओडी उपस्थित रहे।

ऑन स्टेज कार्यक्रम जैसे सोलो सिंगिग, सोलो डांस, डयूट सिंगिंग, ग्रुप डांस, अन्ताक्षरी, कवि सम्मेलन, इंस्ट्रूमेंटल, नुक्कड़ नाटक एवं क्विज प्रतियोगिता शामिल थे। इसके साथ ही ऑफ स्टेज कार्यक्रम में रंगोली, फेस पेंटिंग, मास्टर शैफ एवं फोटोग्राफी प्रतियोगितायें आयोजित किये गये।

कार्यक्रम के दूसरे दिन ऑन स्टेज कार्यक्रम में डयूट डांस मैड-एड, ग्रुप सिंगिंग, स्किट, वैराइटी एवं ऑफ स्टेज कार्यक्रम में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं पब्जी आदि आयोजित किए गए। मुख्य आकर्षण फैशन शो में सभी बीडीएस के विद्यार्थियों ने भाग लिया और डीजे नाईट का आनंद लिया।

ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी विजेताओं को मेडल और पुरस्कार वितरण किया गया व छात्रों को प्रतिस्पर्धा और टीम भावना के मूल्यों के महत्व पर जोर दिया।